महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

खोई हुई चीज अक्सर खूबसूरत लगने लगती है जैसे, वक्त और बचपन..

वर्ष : 16 अंक : 354 | उज्जैन, शुक्रवार 05 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

मेट्रो रेल यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग का लें सहयोग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर और भोपाल मेट्रो रेल परियोजनाओं के हुए दो तिहाई कार्य पूरे

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल संचालन के प्रथम चरण के कार्य पूर्ण होने के बाद परियोजना के आगामी चरणों के कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। सघन आबादी के क्षेत्रों और कामकाजी नागरिकों की सुगम आवाजाही के लिए मेट्रो रेल व्यवस्था एक वरदान है। प्रदेश की राजधानी भोपाल और प्रमुख व्यवसायिक केन्द्र इंदौर में मेट्रो रेल यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग का आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाए। दोनों नगरों की मेट्रो रेल परियोजना के सभी चरणों के सम्पूर्ण कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। समग्र प्रगति की दृष्टि से दोनों परियोजनाओं के दो तिहाई कार्य पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में भोपाल और इंदौर के मेट्रो रेल प्रोजेक्ट कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

नगरीय विकास और आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

विद्यार्थियों की अध्ययन यात्रा से भी जोड़ें मेट्रो परियोजना को- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर और भोपाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र भी बन रहे हैं। प्रमुख धार्मिक केंद्रों, पर्यटन स्थलों, पुरातात्विक धरोहर स्थलों और टाइगर रिजर्व एवं अभयारण्य की सैर के लिए विद्यार्थियों सहित अन्य नागरिकों के लिए प्रबंध होने से मेट्रो रेल का उपयोग बढ़ेगा। इन प्रयासों में पर्यटन विभाग सहित मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

भोपाल मेट्रो परियोजना- बैठक में बताया गया कि भोपाल मेट्रो रेल परियोजना में फेज़-1 में सुभाष नगर से एम्स तक दिसम्बर 2025 से संचालन हो रहा है। इस ट्रेक पर 7.1 किलोमीटर क्षेत्र में 8 एलिवेटेड स्टेशन बनाए गए हैं। फेज़-2 में सुभाष नगर से करोंद चौराहा तक 9.64 से किलोमीटर सेक्शन में कार्य हो रहा है, जो जून 2028 तक पूर्ण होना प्रस्तावित है। इस सेक्शन में 6 एलिवेटेड और दो भूमिगत स्टेशन होंगे। इसी तरह फेज़-3 में भदभदा चौराहा से रत्नागिरी चौराहे तक 14.16 लम्बाई के सेक्शन में कार्य हो रहा है। इस सेक्शन में 13 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। यह कार्य भी आने वाले 2 वर्ष में पूर्ण होगा।

इंदौर मेट्रो परियोजना- बैठक में बताया गया कि इंदौर मेट्रो रेल परियोजना में फेज-1 के रीच वन में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर 3 तक 5.26 किलोमीटर के सेक्शन का शुभारंभ मई 20 25 में हो चुका है। फेज-1 के रीच-2 में सुपर कॉरिडोर 3 से मालवीय नगर चौराहे तक 11.43 किलोमीटर के सेक्शन के कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। फेज-2 के अंतर्गत रीच-1 में शहीद बगीचा से खजराना चौराहा तक 1.77 किलोमीटर सेक्शन के कार्य और फेज-2 के ही रीच-2 के एयर पोर्ट से गांधी नगर तक 1.5 किलोमीटर सेक्शन के कार्य जून 2028 तक पूर्ण होंगे। फेज-3 में खजराना चौराहा से एयरपोर्ट के 11.59 किलोमीटर लम्बाई के सेक्शन के कार्य होंगे।

बैठक में नगरों में भविष्य में क्रियान्वित किए जाने वाले फ्लाई ओवर निर्माण, मेट्रो रेल और सड़क निर्माण के कार्यों के संबंध में भी चर्चा हुई।

न्यूज ब्रीफ

21 मौतों के बाद दिल्ली में बड़ा एक्शन; 10,000 होटल-रेस्तरां और गेस्टहाउस की जांच शुरू

नई दिल्ली/ जीएनएस। दक्षिणी दिल्ली के हौजरानी में अवैध होटल में भीषण अग्निकांड में 21 लोगों की मौत के बाद दिल्ली सरकार और प्रशासन की तंद्रा टूटी है। बृहस्पतिवार को दिल्ली में चलते ऐसे वैध-अवैध होटलों, गेस्टहाउस और बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएनबी) की जांच शुरू कर दी गई है। जिनकी संख्या 10 हजार से अधिक होगी। इसी तरह, ऐसे अवैध रेस्तरां की भी जांच की जा रही है, जिन्हें लाइसेंस तो चाय और नाश्ते तक की है। पर वे पूरा भोजन बना रहे हैं और 20 लोगों के तक बैठने की सुविधा है।भयावह हादसे के बाद उपराज्यपाल टीएस संधू ने बुधवार को उच्चस्तीय समीक्षा बैठक की थी, जिसमें एक माह के जांच महाभियान चलाने का निर्णय किया गया था। इस महाभियान के तहत दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सेवा व एमसीडी की कई संयुक्त टीमें गठित की गई है, जो पहाड़गंज, करोलबाग, राजेंद्र नगर, अंसारी नगर, महिपालपुर, जसोला विहार, छतरपुर, लक्ष्मी नगर, मालवीय नगर जैसे दिल्ली में ठहरने के प्रमुख ठिकानों में स्थित होटलों, गेस्ट हाउस व बीएंडबी की स्थलीय जांच शुरू कर दी है। उसमें उसके एमसीडी लाइसेंस, अग्निशमन सेवा का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी), कमरों की संख्या, आपात स्थिति में निकासी, आग या किसी आपदा में बचाव के साधन, आग बुझाने के इंतजामों तथा पानी व्यवस्था जैसे साधनों की जांच की जा रही है। जांच में शामिल एमसीडी विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जिन होटलों में कमियां पाई जाएंगी। उसका चालान या सीलिंग की कार्रवाई होगी। टीमों द्वारा पहले यह जांचा जा रहा है कि होटल या गेस्ट हाउस चलाने का उसके पास लाइसेंस है कि नहीं। कितने कमरों की अनुमति है। उससे अधिक कमरे तो नहीं। आग से बचाव के निर्धारित मानकों को पूरा किया गया है कि नहीं। आपात निकासी की व्यवस्था है कि नहीं। इस बीच, हौजरानी में अवैध होटल में 21 लोगों की जान जाने के बाद दिल्ली होटल महासंघ ने भी दिल्लीभर में मौजूद सभी होटल, गेस्टहाउस व बीएनबी को एडवाइजरी जारी करते हुए उसके संचालकों को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करने को कहा है।

गुरुग्राम में 600 बिस्तरों का सिविल अस्पताल जल्द होगा तैयार, 1054 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली/ जीएनएस। हरियाणा सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए तीन बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। प्रदेश सरकार ने गुरुग्राम में नये सिविल अस्पताल के निर्माण के लिए बड़ा प्रशासनिक फैसला लेते हुए एचएसआइआइडीसी को इसके निर्माण के लिए एजेंसी नियुक्त किया है। करीब 1054 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह अस्पताल गुरुग्राम के सरकारी स्वास्थ्य ढांचे की तस्वीर बदलने वाला साबित होगा। इसके अलावा, नांगल चौधरी में 11.65 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक कम्युनिटी हेल्थ सेंटर बनाया जाएगा, जबकि अंबाला के नागरिक अस्पताल में अत्याधुनिक पेट (पीईटी) और स्पेक्ट (एसपीईसीटी) सुविधाएं शुरू करने की मंजूरी दे दी गई है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इन सभी परियोजनाओं की मंजूरी संबंधी जानकारी दी। गुरुग्राम में सिविल अस्पताल के निर्माण की मांग पिछले काफी समय से की जा रही थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा इसकी मंजूरी मिलने के बाद अब आम लोगों तक बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। अस्पताल के पूरा होने के बाद गुरुग्राम ही नहीं, आसपास के क्षेत्रों के लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

जब कानून के रखवाले ही वसूली करने लगें तो संदेह की नजर से देखते हैं लोग : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने जबरन वसूली के आरोपित तीन पुलिस अधिकारियों को दी गई अग्रिम जमानत रद करते हुए कहा है कि जब कानून लागू करने वाले अधिकारी ही जबरन वसूली करने वाले बन जाते हैं, तो नागरिक संदेह की नजर से देखने लगते हैं और दुविधा में पड़ जाते हैं।

जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को अस्पष्ट बताते हुए रद कर दिया। पीठ ने कहा- 'जब कानून के रखवाले वसूली करने वाले बन जाते हैं तो नागरिक संदेह से देखने लगते हैं। विरोध करना तत्काल प्रतिशोध को न्योता देना है और एकमात्र विकल्प वर्दीधारी अधिकारियों के सामने चुपचाप आत्मसमर्पण करना है, भले ही स्पष्ट रूप से दुर्व्यवहार हो रहा हो।' इस मामले में, शिकायतकर्ता अपनी बेटी के साथ मुंबई से हापा दुरंतो एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे। शिकायतकर्ता, उनकी बेटी और उन्हें छोड़ने आए एक करीबी रिश्तेदार को रेलवे स्टेशन पर पुलिसकर्मियों ने हिरासत में ले लिया। यात्री के सामान की तलाशी के दौरान 14 ग्राम की सोने की छड़ और 31,900 रुपये नकद बरामद हुए।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार में महिलाओं का पलड़ा भारी, महिला नेतृत्व में 52% पंचायतों को मिला सम्मान

नई दिल्ली/ जीएनएस। नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू होगा, तब महिलाओं के लिए संसद और राज्य विधानसभाओं में अपनी राजनीतिक क्षमताओं को दिखाने का अवसर मिलेगा। उससे पहले पंचायतों में भागीदारी के अवसर को भुनाते हुए महिलाओं ने साबित कर दिया है कि कार्य-कुशलता और नेतृत्व क्षमता में वह कतई पीछे नहीं हैं।

मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2025 के वितरण समारोह के मंच से जब पुरस्कृत पंचायतों के नाम पुकारे गए तो महिला सशक्तीकरण की गूंज उठती सुनाई दी।

महिलाओं के नेतृत्व वाली 52 प्रतिशत पंचायतों ने जीता पुरस्कार- बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए नौ और इस समारोह में पुरस्कृत की गई 42 पंचायतों में 52 प्रतिशत ऐसी थीं, जिनका नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। वहीं, राज्यों की भागीदारी की बात करें तो फिर दक्षिण का दबदबा दिखा, जिसमें कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और ओडिशा सबसे आगे रहे। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2025 सम्मान समारोह में दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार के अंतर्गत स्थानीयकृत सतत विकास लक्ष्यों की नौ थीम पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 34 ग्राम पंचायतों को सम्मानित किया गया।

रूस ने भेजी S-400 की चौथी स्क्वाड्रन, पाकिस्तान हुआ परेशान

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत की लंबी दूरी की वायु रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए रूस से सुदर्शन एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम का चौथा स्क्वाड्रन भारत पहुंच गया है। इसे जल्द ही एक महत्वपूर्ण क्षेत्र में तैनात किया जाएगा।

रक्षा सूत्रों के अनुसार, लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली एस-400 की इस खेप को एक जहाज के माध्यम से भारत लाया गया और जल्द ही इसकी तैनाती कर दी जाएगी। पांचवां और अंतिम स्क्वाड्रन भी अगले कुछ महीनों में भारत को मिलने की संभावना है।

वर्ष 2018 में भारत और रूस के बीच एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर समझौते किया गया था। इस समझौते के तहत भारत को एस-400 के कुल पांच स्क्वाड्रन मिलने हैं। इनमें से तीन स्क्वाड्रन दो साल पहले मिल चुके हैं, जबकि बाकी दो के मिलने में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण देर हुई है।

पिछले वर्ष आपरेशन सिंदूर के दौरान सुदर्शन ने पाकिस्तानी वायु सेना की क्षमताओं को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी। इसने एक पाकिस्तानी वायु सेना के निगरानी विमान को मार गिराया था।

रक्षा खरीद परिषद एस-400 के पांच अतिरिक्त स्क्वाड्रन खरीदने के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इससे भारत की हवाई सुरक्षा व्यवस्था और ज्यादा मजबूत होगी।

स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम पर चल रहा काम- भारत केवल विदेशी एयर डिफेंस सिस्टम पर निर्भर नहीं रहना चाहता। इसलिए इस दिशा में आत्मनिर्भर होने के लिए ÷प्रोजेक्ट कुशा÷ नामक स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम पर भी काम चल रहा है।

इसका उद्देश्य ऐसा स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली विकसित करना है, जो एस-400 की तरह दुश्मन के विमानों, मिसाइलों और ड्रोन को निशाना बना सके। इस प्रोजेक्ट में भारतीय रक्षा कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज साझेदार के रूप में शामिल है।

2018 में हुआ था 5 अरब डॉलर का समझौता- भारत ने अक्टूबर 2018 में रूस के साथ करीब 5 अरब डॉलर के समझौते के तहत पांच एस-400 स्क्वाड्रन खरीदने का करार किया था। इनमें से तीन स्क्वाड्रन दो साल पहले भारत पहुंच चुकी थीं, जबकि यूक्रेन युद्ध के कारण बाकी दो की डिलीवरी में देरी हुई।

अब चौथी स्क्वाड्रन की आपूर्ति शुरू हो चुकी है और पांचवीं स्क्वाड्रन नवंबर तक भारत पहुंचने की उम्मीद है।

BJP ने घोषित किए 11 उम्मीदवार, तरुण चुग को MP से मैदान में उतारा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने मध्य प्रदेश से अपने राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को बड़ा मौका देते हुए मैदान में उतारा है।

उनके साथ रजनीश अग्रवाल को भी राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गया है। राजस्थान में पार्टी ने इस बार केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को टिकट देने से इनकार कर दिया है।

उनकी जगह डॉक्टर अलका गुर्जर और डॉक्टर सतीश पूनिया को मैदान में उतारा गया है। बीजेपी की इस सूची में अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता दी गई है।

मध्य प्रदेश से तरुण चुग को पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय भूमिका के चलते राज्यसभा भेजने का फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वहीं राजस्थान में नए चेहरों को मौका देकर पार्टी ने संगठनात्मक संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया है। राज्यसभा चुनाव में इन उम्मीदवारों की जीत लगभग तय मानी जा रही है, क्योंकि बीजेपी इन राज्यों में मजबूत स्थिति में है।

प्रयोग या संयोग... तमिलनाडु में साइडलाइन किए गए अन्नामलाई भाजपा से कैसे हो गए दूर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु भाजपा के सबसे चर्चित और आक्रामक चेहरों में शामिल रहे के. अन्नामलाई ने आखिरकार भारतीय जनता पार्टी से अलग होने का फैसला कर लिया है।

कभी तमिलनाडु में भाजपा की सबसे बड़ी उम्मीद माने जाने वाले पूर्व ढ्ढक्क्र अधिकारी अब अपनी नई क्षेत्रीय पार्टी बनाने की तैयारी में हैं।

नई पार्टी बनाएंगे अन्नामलाई- सूत्रों के मुताबिक अन्नामलाई ने दिल्ली पहुंचकर भाजपा नेतृत्व, खासकर गृह मंत्री अमित शाह समेत शीर्ष नेताओं को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। हालांकि औपचारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उनके करीबी साफ संकेत दे रहे हैं कि वह अब अपनी राजनीतिक राह पर आगे बढ़ना चाहते हैं।

बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व को एक विस्तृत रिपोर्ट भी सौंपी है, जिसमें उन्होंने 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में पार्टी की विफलता और खुद को ÷साइडलाइन÷ किए जाने की बात रखी है।

कैसे शुरू हुआ अन्नामलाई का सफर- के. अन्नामलाई ने मई 2019 में ढ्ढक्क्र सेवा छोड़ दी थी। इसके बाद उन्होंने %ड्ढद्ग ञ्जद्धद्ग स्न्रद्गद्गस्रश्वह्वठ्ठस्रङ्खह्लद्बश्ठ% नाम से सामाजिक कार्य शुरू किया।

राजनीति में आने की उनकी पहली पसंद भाजपा नहीं, बल्कि अभिनेता रजनीकांत थे। लेकिन जब रजनीकांत की राजनीतिक योजना आगे नहीं बढ़ी, तब अन्नामलाई ने 2020 में भाजपा का दामन थाम लिया।

2021 विधानसभा चुनाव में वह अरवाकुरिची सीट से हार गए, लेकिन पश्चिम तमिलनाडु में भाजपा को दो सीटें दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

भाजपा नेतृत्व ने अन्नामलाई की लोकप्रियता और आक्रामक शैली को जल्दी पहचान लिया। महज एक साल के भीतर उन्हें तमिलनाडु भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया।

दिल्ली हाई कोर्ट से FIITJEE को बड़ी राहत, ED ने बिना शर्त वापस ली प्रेस रिलीज

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली हाईकोर्ट में FIITJEE और उसके निदेशकों के खिलाफ जारी प्रवर्तन निदेशालय की प्रेस रिलीज को लेकर एजेंसी को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने रिकॉर्ड पर लिया कि ED द्वारा 26 अप्रैल 2025 को जारी अपनी प्रेस रिलीज को बिना शर्त वापस ले लिया है। यह प्रेस रिलीज ED के लखनऊ जोनल ऑफिस द्वारा FIITJEE के नोएडा और दिल्ली स्थित दफ्तरों तथा कुछ निदेशकों और अधिकारियों के आवासों पर की गई तलाशी के बाद जारी की गई थी। इसमें FIITJEE और उसके अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए गए थे।

FIITJEE ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया था कि श्वष्ठ की प्रेस रिलीज दुर्भावनापूर्ण, मानहानिकारक और तथ्यों से परे थी। संस्थान का कहना था कि एजेंसी ने बिना किसी ठोस साक्ष्य के कई आरोप और अनुमान पेश किए।

याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा कि प्रेस रिलीज में जिस प्रारंभिक विश्लेषण रिपोर्ट का हवाला दिया गया था, ऐसी कोई रिपोर्ट वास्तव में मौजूद ही नहीं थी। साथ ही यह प्रेस रिलीज गृह मंत्रालय के 1 अप्रैल 2010 के कार्यालय ज्ञापन के भी खिलाफ थी।

सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रारंभिक तौर पर माना कि ED की प्रेस रिलीज उक्त दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करती है। कोर्ट ने एजेंसी से पूछा कि क्या वह प्रेस रिलीज में संशोधन करना चाहती है या मामले पर मेरिट के आधार पर सुनवाई कराना चाहती है।

इस दौरान श्वष्ठ की ओर से यह स्वीकार किया गया कि कथित प्रारंभिक विश्लेषण रिपोर्ट मौजूद नहीं है और एजेंसी आरोपों को prima facie साबित करने में असमर्थ रही।

राऊ हत्याकांड में फरार तीन और आरोपी गिरफ्तार, 15 लाख की सुपारी देकर कराई थी हत्या

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राऊ क्षेत्र में हुए सनसनीखेज नवीन पाटीदार हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले में फरार चल रहे तीन अन्य आरोपियों को भी थाना राऊ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि अवैध प्रेम संबंध और पुरानी रंजिश के चलते नवीन पाटीदार की हत्या की साजिश रची गई थी। हत्या के लिए 15 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी, जिसमें से पांच लाख रुपये की राशि पुलिस ने आरोपी राहुल से बरामद की है।

गौरतलब है कि 12 अप्रैल 2026 की रात नखराली ढाणी के सामने केट रोड पर नवीन पाटीदार (31) निवासी रंगवासा घायल अवस्था में मिला था। प्रारंभिक जांच में मामला सड़क दुर्घटना प्रतीत हुआ, लेकिन पोस्टमार्टम के दौरान मृतक की गर्दन के पीछे देशी पिस्टल की गोली फंसी मिलने से हत्या का खुलासा हुआ। घटनास्थल से खाली कारतूस मिलने और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि दो बाइक सवार बदमाशों ने मृतक की गर्दन पर पिस्टल लगाकर गोली मारी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 251/2026 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पहले ही चार आरोपियों मुकेश कुमावत, अजय धोलपुरिया, श्रीराम बलाई और मृतक की पत्नी को गिरफ्तार किया जा चुका था। पूछताछ में पता चला कि आरोपी राहुल उइके और मृतक नवीन के बीच पुरानी रंजिश थी। पूर्व में एक हत्या प्रकरण में मुखबिरी कर नवीन ने राहुल को गिरफ्तार करवाया था, जिसके बाद से दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इसी दौरान राहुल के मृतक की पत्नी से संबंध भी स्थापित हो गए थे। दोनों ने मिलकर नवीन को रास्ते से हटाने की योजना बनाई और हत्या की सुपारी दी गई।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि राहुल ने मुकेश कुमावत को रकम देकर हत्या की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके बाद मुकेश ने अपने साथियों अजय धोलपुरिया और श्रीराम बलाई के साथ मिलकर 12 अप्रैल की रात वारदात को अंजाम दिया।

फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी और उनकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई थी। इसी दौरान मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने राहुल, शुभम मदरोशिया और राजू गुगले खटिक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में राहुल ने खुलासा किया कि राजू गुगले खटिक ने नवीन पाटीदार की हत्या के लिए 15 लाख रुपये की सुपारी दी थी।

गिरफ्तार आरोपियों में शुभम मदरोशिया (26 वर्ष), राहुल मराठा उर्फ उइके (42 वर्ष) और राजू गुगले खटिक (58 वर्ष) निवासी उज्जैन शामिल हैं। पुलिस के अनुसार राहुल के विरुद्ध पूर्व से हत्या, हत्या के प्रयास, अवैध हथियार, सट्टा और मारपीट सहित 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि शुभम के खिलाफ भी एक दर्जन से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी राजपाल सिंह राठौर के नेतृत्व में राऊ पुलिस टीम तथा तकनीकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों का कृषि सचिव श्री वरवड़े ने लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में 9 जून से प्रारंभ होने वाले अंतरराष्ट्रीय महत्व के ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न स्तरों पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश शासन के कृषि विभाग के सचिव श्री निशांत वरवड़े गुरुवार को इंदौर पहुंचे और आयोजन से जुड़े विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान श्री वरवड़े ने सम्मेलन से संबंधित तैयारियों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन स्थलों पर अतिथियों के स्वागत, आवास, परिवहन, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा सभी व्यवस्थाएं समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एमडी मंडी श्री कुमार पुरुषोत्तम, एमडी पर्यटन श्री दिलीप यादव, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, कृषि विभाग के उप सचिव श्री रोहित सिसोनिया, संयुक्त संचालक कृषि श्री आलोक मीणा, उप संचालक कृषि श्री सी.एल. केवड़ा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्री निशांत वरवड़े ने होटल शेरेटन, मैरियट होटल तथा ग्रामीण हाट बाजार सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से सम्मेलन के दौरान आने वाले राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने को कहा।

उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स सम्मेलन के आयोजन से इंदौर को वैश्विक स्तर पर अपनी कृषि, नवाचार एवं विकास उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होगा। सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिससे कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में ज्ञान और अनुभवों का आदान-प्रदान भी होगा।

कांक्रीट की घटिया सड़क बनाई, घोटाला छुपाने चार माह बाद कर दिया डामरीकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चंद्रगुप्त मौर्य चौराहा से बापट चौराहा तक बन रही सड़क को लेकर नेता प्रतिपक्ष नगर निगम चिंटू चौकसे और एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर आमने-सामने हो गए हैं।

नेता प्रतिपक्ष नगर निगम चिंटू चौकसे द्वारा निगमायुक्त क्षितिज सिंघल को लिखे पत्र में कहा गया है कि कुछ समय पहले इस सीमेंट-कंक्रीट की सड़क का निर्माण करवाया गया था। जिस ठेकेदार को यह काम दिया गया उसने बेहद घटिया काम किया।

उन्होंने आगे कहा है कि सड़क का समतलीकरण भी बराबर नहीं था। इस बारे में जब शिकायत होने लगी तो निगम के जादूगरों ने नए सिरे से इस सड़क के काम का ठेका देकर सीमेंट की सड़क पर डामर की परत चढ़ाना शुरू कर दिया। सीमेंट की घटिया सड़क बनवाना और फिर उस पर डामर की परत चढ़ाना सुनियोजित घोटाला है।

इसकी जांच होना चाहिए। इधर एमआइसी सदस्य राठौर ने आरोपों को नकारते हुए कहा कि चिंटू चौकसे को जानकारी ही नहीं है। इस सड़क के सीमेंटीकरण के टेंडर कभी हुए ही नहीं थे।

एक-एक फीट खोद दी थी सड़क- चार माह पहले उक्त सड़क बनाने के लिए एक-एक फीट खोदा गया था। सड़क इतनी घटिया है कि चला भी नहीं जा सकता।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एकलव्य आदर्श विद्यालय झिरन्या की अत्याधुनिक स्पेस लैब का किया लोकार्पण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभाग के खरगोन जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय झिरन्या में स्थापित अत्याधुनिक स्पेस लैब का लोकार्पण 03 जून 2026 को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। यह कार्यक्रम जनजातीय विद्यार्थियों को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

यह स्पेस लैब जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार तथा bharatpetroleum.com की सीएसआर पहल के अंतर्गत देश के 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित की गई हैं, जिनमें मध्य प्रदेश के 10 विद्यालय शामिल हैं। खरगोन जिले में इस प्रकार की अत्याधुनिक स्पेस लैब की स्थापना को विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती रेखा रानी चौहान ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि यह स्पेस लैब जनजातीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, खगोल विज्ञान, रोबोटिक्स एवं आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करेगी, जिससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं नवाचार की भावना विकसित होगी।

डायल-112 की तत्परता से परिजनों से मिला रास्ता भटका 6 वर्षीय मासूम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना एरोड्रम क्षेत्र में घर से निकलकर रास्ता भटक गए छह वर्षीय मासूम बालक को डायल-112 पुलिस टीम ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उसके परिजनों से सुरक्षित मिलवा दिया।

जानकारी के अनुसार 3 जून 2026 की रात करीब 8ः15 बजे राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 को सूचना प्राप्त हुई कि संगम नगर स्थित पांडे परिसर में एक छह वर्षीय बालक अकेला घूम रहा है और अपने घर का रास्ता भूल गया है। सूचना मिलते ही एरोड्रम थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके पर रवाना किया गया।

मौके पर पहुंचे डायल-112 स्टाफ सहायक उपनिरीक्षक कैलाश मीणा, सैनिक मनमोहन एवं पायलट अनमोल राठौर ने बालक को संरक्षण में लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने पर बालक अपने घर और परिजनों के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस टीम ने बालक को सांत्वना देते हुए अपने साथ रखा और आसपास के क्षेत्रों में उसके परिजनों की तलाश शुरू की।

लगातार प्रयास और स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस को बालक के परिजनों के संबंध में जानकारी बाणगंगा क्षेत्र में प्राप्त हुई। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। बालक द्वारा पहचान करने और आवश्यक सत्यापन के बाद उसे सकुशल उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

अपने बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और डायल-112 पुलिस टीम की तत्परता एवं मानवीय संवेदनशीलता के लिए आभार व्यक्त किया। पुलिस की इस सराहनीय कार्रवाई ने एक बार फिर आमजन की सुरक्षा और सहायता के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को साबित किया है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा का जन उत्सव अभियान आज से, 21 जून तक होंगे विविध आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी इंदौर नगर द्वारा 5 जून से 21 जून तक जिलेभर में विभिन्न जनसंपर्क एवं जनकल्याण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। ÷जन उत्सव÷ अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाएंगे।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा एवं कैलाश पीपले ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 सफल वर्ष पूरे किए हैं। इस अवधि में देश ने विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए हैं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए विशेष टोली का गठन किया गया है। इसमें हरप्रीत सिंह बक्शी को नगर संयोजक तथा राकेश शर्मा, गौतम शर्मा और विशाल गिदवानी को सदस्य बनाया गया है। यह टोली विभिन्न कार्यक्रमों के समन्वय और संचालन की जिम्मेदारी निभाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को भाजपा इंदौर नगर के 35 मंडलों और 85 वार्डों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल भी सहभागिता करेंगे।

अभियान के तहत 8 से 14 जून तक विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम चलाया जाएगा, जिसमें शहर के सभी 85 वार्डों में प्रबुद्धजनों एवं बुद्धिजीवियों से घर-घर संपर्क किया जाएगा। वहीं 12 से 18 जून तक जनकल्याण शिविरों का आयोजन तथा केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। 15 से 18 जून तक सभागार बैठकों का आयोजन होगा, जबकि 19 और 20 जून को प्राकृतिक खेती विषय पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मंडल स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसी क्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल गुरुवार सुबह 7ः30 बजे भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के निवास पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी भी लेंगे।

इंदौर की महिला मैकेनिक्स ने 32 हजार रुपये में बनाई ई-साइकिल, 25 किमी की रेंज और स्पीड 25 किमी प्रति घंटा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण संरक्षण के लिए इन दिनों इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी दिशा में एक अभिनव पहल शहर में हुई है। एक ऐसी पहल जिसमें तकनीक का समावेश, पर्यावरण का हित, रोजगार की संभावना और महिला सशक्तीकरण का संदेश भी शामिल है। शहर की महिलाओं ने इलेक्ट्रिक साइकिल बनाई है।

यह साइकिल आईआईटी बांबे की मदद से बनाई है जिसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक से लैस साइकिल समाज के उस वर्ग तक पहुंचाना है जो इलेक्ट्रिक साइकिल की कीमत ज्यादा होने के कारण उसे चला नहीं पाते। शहर में यह पहल महिला मैकेनिक गैराज यंत्रिका सर्विस सेंटर की महिलाओं ने की है। साइकिल बनाने वाली ये वे महिलाएं हैं जिन्हें समान सोसायटी द्वारा मैकेनिक के रूप में प्रशिक्षित किया गया था। आईआईटी के छात्रों ने की मदद- यह इलेक्ट्रिक साइकिल एक बार चार्ज होने पर लगभग 25 किलोमीटर तक चल सकती है और इसकी अधिकतम गति 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटा है। इस साइकिल का नाम यंत्रिका ई-साइकिल रखा गया है। इसे शिवानी रघुवंशी, सपना जाधव, शिवांगी बंसल और दिव्या गोहिल ने बनाया है। साइकिल बनाने के शुरुआती चरण में आईआईटी बांबे की मदद ली गई थी, जिसके चलते वहां के विद्यार्थी इंदौर आए थे।

भाजपा इंदौर ग्रामीण के नवीन कार्यालय का भूमिपूजन आज, मुख्यमंत्री मोहन यादव वर्चुअल रूप से होंगे शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी इंदौर ग्रामीण के नवीन जिला कार्यालय का भूमिपूजन समारोह गुरुवार को आयोजित किया जाएगा। इकोनॉमिक कॉरिडोर स्थित इंदौर एयरपोर्ट के समीप ग्राम नावदा पंथ में बनने वाले इस कार्यालय का भूमिपूजन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, जिला महामंत्री अंतर दयाल, रामस्वरूप गहलोत एवं पूंजालाल निनामा ने बताया कि सुबह 9 बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में प्रदेश और केंद्र स्तर के अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, विधायक उषा ठाकुर, मनोज पटेल एवं मधु वर्मा सहित भाजपा प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे भी मौजूद रहेंगे।

नेताओं ने बताया कि नवीन कार्यालय भाजपा संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में पार्टी के विस्तार एवं जनसंपर्क कार्यों को नई गति प्रदान करेगा। कार्यालय का निर्माण आधुनिक सुविधाओं के साथ किया जाएगा, जिससे संगठनात्मक बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं जनप्रतिनिधियों के समन्वय कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकेगा।

कार्यक्रम को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की भावना से जोड़ते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं से सार्वजनिक परिवहन तथा ई-वाहनों का उपयोग कर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने का आग्रह किया गया है। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में की जा रही है। भाजपा नेताओं ने जिले के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

प्राकृतिक आपदा प्रभावित किसानों के बीच पहुंचे प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट

फसल क्षति का लिया जायजा, कहा- ''संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार हर किसान के साथ खड़ी है

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संसाधन विभाग एवं बुरहानपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों की पीड़ा को समझने और राहत कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लेने के लिए गुरूवार को बुरहानपुर जिले के ग्राम खामनी एवं टेम्भी पहुंचे। उन्होंने प्रभावित खेतों का निरीक्षण कर फसल नुकसानी का अवलोकन किया तथा किसानों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं और चिंताओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। किसानों के बीच बैठकर प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के दुख-दर्द में सहभागी है और संकट के इस दौर में किसी भी प्रभावित किसान को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित प्रत्येक पात्र अन्नदाता को नियमानुसार राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

4 दिवस के भीतर सर्वे पूर्ण करने के निर्देश- ग्राम टेम्भी में कृषक श्री मधुकर पिता विश्वनाथ के खेत में पहुंचकर प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने केला फसल को हुए नुकसान का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर जिला केला उत्पादन के लिए प्रदेश और देश में विशेष पहचान रखता है तथा ''एक जिला-एक उत्पाद'' योजना के अंतर्गत केला जिले की प्रमुख फसल है। ऐसे में किसानों को हुए नुकसान के आंकलन एवं राहत वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

''न कोई गांव छूटे, न कोई किसान- ग्राम खामनी एवं दर्यापुर रै. में आयोजित किसान चौपाल के दौरान प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि फसल क्षति का सर्वे किसानों की उपस्थिति में, पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने तहसीलदारों, पटवारियों एवं सर्वे दलों को खेतों तक पहुंचकर वास्तविक स्थिति का आंकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में किसी भी प्रकार की उदासीनता एवं लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि सर्वे कार्य में कोई अधिकारी या कर्मचारी लापरवाही करता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

4 दिवस में सर्वे पूर्ण करने एवं आरबीसी 6-4 के तहत शीघ्र प्रकरण तैयार करने के निर्देश- प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कलेक्टर श्री हर्ष सिंह को निर्देशित किया कि आरबीसी 6-4 के अंतर्गत नियमानुसार प्रकरण तैयार कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राहत वितरण की प्रक्रिया समयबद्ध, पारदर्शी एवं पात्रता आधारित होनी चाहिए, जिससे प्रभावित किसानों को शीघ्र लाभ मिल सके। जानकारी अनुसार गत दिनों आयी प्राकृतिक आपदा से जिले के करीबन 169 ग्रामों के 4,000 से अधिक किसान प्रभावित हुए है। प्रभावित क्षेत्र का अनुमानित रकबा 5473.38 हे. है। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि सर्वेक्षण दल अन्नदाताओं की भावनाओं एवं सरकार की मंशानुसार सर्वेक्षण कार्य करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल सभा आयोजित, जल संरक्षण वार्ड रैंकिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से नगर निगम इंदौर द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रविंद्र नाट्य ग्रह में जल सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमायुक्त क्षितिज सिंघल की उपस्थिति में जल संरक्षण वार्ड रैंकिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में जल कार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू, एमआईसी सदस्य राजेश उदावत, अश्विनी शुक्ल, निरंजन सिंह चौहान, सचेतक कमल वाघेला, महापौर प्रतिनिधि भरत पारख, जल विशेषज्ञ समरेंद्र पांडे, सुधीन्द्र मोहन मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पार्षद, निगम अधिकारी एवं विभिन्न रहवासी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जल संरक्षण एवं भू-जल स्तर बढ़ाने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मां नर्मदा की कृपा से इंदौर को जल उपलब्ध है, लेकिन आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने घोषणा की कि नगर निगम शहर के लिए एक समग्र वाटर पॉलिसी तैयार करेगा, जिससे जल प्रबंधन और संरक्षण के प्रयासों को और प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि इंदौर ने हर चुनौती का सामूहिक रूप से सामना किया है और जल संकट जैसी चुनौती से भी जनभागीदारी के माध्यम से निपटा जाएगा।

महापौर ने बताया कि जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वार्ड स्तर पर जल संरक्षण रैंकिंग प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वार्डों को विकास कार्यों के लिए विशेष वित्तीय सहायता दी जाएगी। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले वार्ड को 1.50 करोड़ रुपये, द्वितीय को 1.25 करोड़ रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले वार्ड को 1 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त अन्य शीर्ष रैंकिंग वाले वार्डों को भी प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जिससे जल संरक्षण और जल प्रबंधन संबंधी कार्य किए जा सकेंगे।

अन्नदाताओं के सम्मान में कोई समझौता नहीं, पारदर्शी और निष्पक्ष होगा फसल क्षति सर्वे- मंत्री तुलसीराम सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन विभाग एवं बुरहानपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रदेश सरकार अन्नदाताओं के सम्मान और हितों की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों की फसलों के नुकसान का सर्वेक्षण पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही के साथ किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सर्वेक्षण दल खेतों में पहुंचकर किसानों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में वास्तविक क्षति का आंकलन करें। सर्वे कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लेख है कि प्रवास के दौरान प्रभारी मंत्री श्री सिलावट से मुलाकात कर सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल ने, जिले में प्राकृतिक आपदा से हुई फसल क्षति की जानकारी देकर अवगत कराया।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की गतिविधियों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

पेयजल एवं विद्युत व्यवस्थाओं पर विशेष जोर- बैठक में विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों एवं संबंधित विभागों को ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पेयजल प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा।

नाहरगढ़ पुलिस ने किया चोरी और नकबजनी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

2 गिरफ्तार, 4 फरार, 19 लाख से अधिक का माल बरामद, 3 दिन रिमांड पर आरोपी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ पुलिस ने चोरी, नकबजनी एवं मवेशी चोरी की वारदातों में लिप्त एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक पिकअप वाहन, एक बोलेरो, एक ट्रैक्टर, सात चोरी की मोटरसाइकिलें, दो भैंस एवं एक पाड़ा बरामद किया है। बरामद संपत्ति की अनुमानित कीमत 19 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के आधार पर जिले में हुई कई चोरी और नकबजनी की वारदातों का खुलासा भी किया है। मामले में चार अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस की टीम लगातार जुटी हुई है।

थाना प्रभारी नाहरगढ़ निरीक्षक वरुण तिवारी ने बताया कि 4 जून को थाना नाहरगढ़ पर पदस्थ कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक रशीद पठान को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ आरोपी चोरी की पिकअप में भैंसों को भरकर विश्निया-कचनारा मार्ग से राजस्थान की ओर जाने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल एक विशेष टीम गठित की गई तथा बोलिया फंटा, विश्निया एवं कचनारा मार्ग पर नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान कुछ समय बाद विश्निया की ओर से एक संदिग्ध पिकअप वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने वाहन की गति बढ़ा दी। इस पर पुलिस टीम ने पीछा कर पिकअप को घेराबंदी कर पकड़ लिया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें दो भैंस एवं एक पाड़ा मिला, जो चोरी का होना पाया गया। इसके बाद आरोपियों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई।

पूछताछ में आरोपियों ने कई सनसनीखेज खुलासे किए। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की सात मोटरसाइकिलें, महिंद्रा कंपनी की बोलेरो क्रमांक ख्क्व4क्ष्0824, महिंद्रा पिकअप क्रमांक ख्क्व4क्ष1383 तथा एक सोनालिका ट्रैक्टर बरामद किया। आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने नापाखेड़ा, कयामपुर, विश्निया, बेटीखेड़ी सहित अन्य क्षेत्रों में चार स्थानों पर नकबजनी की वारदातों को अंजाम दिया था। इसके अलावा तीन अलग-अलग स्थानों से भैंस चोरी करने की घटनाओं में भी उनकी संलिप्तता सामने आई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में चोरी एवं लूट के छह से अधिक आपराधिक प्रकरण पूर्व से दर्ज हैं। दोनों आरोपी लंबे समय से चोरी की वारदातों को अंजाम देकर पुलिस से बचते फिर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नैना उर्फ सुरेश (25) पिता तख्तिया कंजर एवं बंटी (21) पिता मीना कंजर दोनों निवासी मुंडला कंजर डेरा, थाना गंगधार, जिला झालावाड़ (राजस्थान) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गुरुवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें 7 जून तक पुलिस रिमांड पर भेजने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस को उम्मीद है कि रिमांड के दौरान गिरोह से जुड़े अन्य फरार आरोपियों तथा अन्य वारदातों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सके।

कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में संगठन का पाठ, पर अंदर सुलग रही बगावत की चिंगारी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच स्थित होटल मंगल में कांग्रेस का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर मंगलवार को बड़े लाव लश्कर के साथ शुरू तो हो गया था, लेकिन इस बंद कमरे के प्रशिक्षण के बहार कार्यकर्ताओ का आक्रोश व असंतोष अब खुलकर सड़क पर आने लगा ।

एक तरह मंच पर खुलकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ओर वरिष्ठ नेता महेंद्र जोशी कार्यकर्ताओ को विचारधारा ,बूथ सशक्तिकरण ओर जनसंपर्क की घुट्टी पिला रहे थे तो वही दूसरी तरफ जमीनी कार्यकर्ताओ ने पार्टी के अंदर चल रही शकुनि राजनीति के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है ।

शिविर में भले ही संगठन की मजबूती का आधार बूथ स्तर के कार्यकर्ता को बताया जा रहा लेकिन हकीकत इससे कोसो दूर नजर आ रही है।

कांग्रेस पार्टी के भीतर से ही उठ रही तीखी आवाजो के अनुसार जिला और ब्लाक एवं मंडलम व सेक्टर प्रमुख कांग्रेस कमेटियों में ऐसे मौकापरस्त लोगो को ठूस ठूस कर भरा गया है , जिनका जनता के बीच कोई वजूद नही है । वही क्षेत्र की अच्छी खासी लोकप्रियता व जनाधार रखने वाले निष्ठावान रखने वाले नेताओ को सिरे से नजर अंदाज कर दिया है।

कार्यकर्ताओ का आरोप है कि कांग्रेस में गुटबाजी के बादशाह बने बैठे नेताओ की एक बार फिर ताजपोशी कर दी गयी है ।यह लोग कांग्रेस का संगठन नही बल्कि पार्टी की बलि देकर खुद का निजी संगठन मजबूत करने में लगे हुए है।

नाराज गुट का सीधा ओर तीखा हमला उन पदाधिकारीयो पर है जो पहले ही संगठन के बड़े पदों पर आसीन थे ।

आरोप है कि ये तथाकथित नेता कांग्रेस को मजबूत करने के बजाय परदे के पीछे भाजपा की गोद मे बैठकर सिर्फ औपचारिकत निभा रहे थे । इसके उल्ट जो कार्यकर्ता वर्षो से निस्वार्थ भाव से पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम कर रहे उन्हें राहुल गांधी और जीतू पटवारी के ड्रीम प्रोजेक्ट संगठन सर्जन अभियान से पूरी तरह दूर रखा गया है।

आरोप बेहदगम्भीर है कि स्थानीय आकाओं ने राहुल गांधी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के संगठन सर्जन अभियान को ताक में रख दिया है । कांग्रेस को अपनी पैतृक सम्पति समझकर सिर्फअपने स्वार्थ के लिए गुटबाजी को बढ़ावा दिया जा रहा है । राजनीतिक गलियारों में चर्चा आम है कि शकुनि राजनीति के चलते कांग्रेस की भीतर ही महाभारत छिड़ चुकी है। यदि यही आलम रहा ओर मौकापरस्तों को ही तवज्जो मिलती रही तो आगामी चुनाव में शकुनी नेताओ को ही जिम्मेदार माना जायेगा। देखना दिलचस्प होगा कि मंच से एकजुटता का दावा करने वाले जीतू पटवारी इस अंदरूनी गुटबाजी ओर सुलगते आक्रोश की आग को कैसे बुजा पाते है ।

अस्पतालों में सुरक्षा पर प्रशासन सख्त एसडीएम पराग जैन का ज्ञानोदय हॉस्पिटल में औचक निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मरीजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एसडीएम पराग जैन ने गुरुवार को तहसीलदार संजय मालवीय के साथ ज्ञानोदय हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं, आपातकालीन सुविधाओं और सुरक्षा मानकों का गहन परीक्षण किया गया।

एसडीएम ने अस्पताल में लगाए गए फायर एक्सटिंग्विशर, फायर हाइड्रेंट, स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म सिस्टम और आपातकालीन निकास द्वारों की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही अस्पताल स्टाफ से आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं और अग्निशमन उपकरणों के संचालन संबंधी जानकारी भी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध बेड, आईसीयू, ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम, जनरेटर बैकअप और स्वच्छता व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। एसडीएम ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि सभी सुरक्षा उपकरण हर समय चालू और उपयोग योग्य स्थिति में रहें तथा कर्मचारियों को नियमित रूप से मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए।

एसडीएम पराग जैन ने स्पष्ट कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील संस्थानों में फायर सेफ्टी मानकों का शत-प्रतिशत पालन अनिवार्य है। किसी भी प्रकार की लापरवाही मरीजों की जान के लिए खतरा बन सकती है, इसलिए सुरक्षा से जुड़े सभी नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने फायर एनओसी के समय पर नवीनीकरण और नियमित सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रबंधन एवं संबंधित स्टाफ मौजूद रहा।

स्मार्ट मीटर दे रहे बिजली का झटका, दोगुने-तीन गुना तक आ रहे बिल:मिथुन वप्ता

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्मार्ट बिजली मीटर लगाए जाने के बाद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि की शिकायतें सामने आ रही हैं। कई उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिल पहले की तुलना में दोगुने तथा कुछ मामलों में तीन गुना तक आ रहे हैं, जबकि बिजली खपत में कोई विशेष वृद्धि नहीं हुई है।इस सम्बन्ध में समाधान हेतु सामाजिक कार्यकर्ता मिथुन वप्ता ने एक ज्ञापन डीई दीपक बांदिल को मुख्यमंत्री के नाम दिया।

सामाजिक कार्यकर्ता मिथुन वप्ता ने कहा कि वर्तमान में बिजली के स्मार्ट मीटर के अत्यधिक बिल उपभोक्ताओं को परेशान कर रहे है।पिछले महीनों की तुलना में अचानक से मई माह में बिलों की बढ़ोत्तरी ने आम उपभोक्ताओं को परेशान कर दिया है।बड़े हुए बिलों की शिकायत पर विभाग द्वारा ठीक से सुनवाई भी नहीं की जा रही है।ऐसे में आम उपभोक्ता अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है।मिथुन वप्ता ने ज्ञापन में बताया कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुविधा एवं पारदर्शिता प्रदान करना था, लेकिन वर्तमान में अनेक परिवार बढ़े हुए बिजली बिलों से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि यदि तकनीकी त्रुटि या बिलिंग संबंधी कोई समस्या है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर आम उपभोक्ताओं को राहत दी जानी चाहिए। मिथुन वप्ता ने राज्य सरकार एवं बिजली वितरण कंपनी से मांग की है कि स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों की गंभीरता से तकनिकी जांच कराई जाए,उपभोगताओं की शिकायत पर त्वरित कार्यवाही की जाए।खराब मीटर को तुरंत बदला जाए तथा उपभोक्ताओं को अनावश्यक आर्थिक बोझ से बचाया जाए।इस अवसर पर ग्राहक पंचायत के प्रांतीय सहसचिव नवनीत शर्मा भी उपस्थित थे।

हॉर्टिकल्चर कॉलेज द्वारा अपना घर की बालिकाओं को दिया करियर गाइडेंस, खेल-शैक्षणिक सामग्री बांटी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केएनके कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर मंदसौर में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के अंतर्गत एक सामाजिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आदरणीय डीन डॉ. दीपक हरि रानडे के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य देखभाल, संरक्षण और सहायता की आवश्यकता वाली लड़कियों को सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करना था।

कार्यक्रम का आयोजन मंदसौर स्थित अपना घर बालिका गृह में किया गया, जो लड़कियों के लिए एक आवासीय देखभाल गृह है। इस पहल का उद्देश्य वहां रहने वाली लड़कियों के सर्वांगीण विकास के लिए भौतिक सहायता और प्रेरक समर्थन प्रदान करना था। कार्यक्रम का सफल नेतृत्व कॉलेज के खेल अधिकारी श्री प्रदीप तुरुकमाने ने किया, जिन्होंने कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की योजना बनाने और उन्हें व्यवस्थित करने में पहल की। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा संचालित प्रेरक और जागरूकता बढ़ाने वाले सत्र शामिल थे। डॉ. के.सी. मीना ने प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने छात्राओं को कृषि और बागवानी के क्षेत्र में विभिन्न करियर अवसरों के बारे में बताया और उन्हें इन क्षेत्रों में उच्च शिक्षा और कौशल विकास प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। ?डॉ. प्रियमवदा सोनकर और डॉ. किरण सोनी ने भी छात्राओं को संबोधित किया और उन्हें अपनी पढ़ाई और भविष्य के लक्ष्यों के प्रति आत्मविश्वास, एकाग्रता और समर्पण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। प्रदीप तुरुकमाने ने छात्राओं को उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिए शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम और अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रेरणादायक सत्रों के बाद, एक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अपना घर बालिका गृह की छात्राओं को उनकी दैनिक आवश्यकताओं और शैक्षणिक गतिविधियों में सहायता के लिए खाद्य सामग्री और स्टेशनरी सामग्री प्रदान की गई। अपना घर बालिका गृह की देखभालकर्ता श्रीमती वंदना गौड़ के सहयोग से कार्यक्रम का सुचारू संचालन सुनिश्चित हुआ, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम के दौरान पूर्ण सहयोग प्रदान किया और बच्चों के लिए अनुशासन और आराम सुनिश्चित किया। कार्यक्रम का सफल समापन हुआ और लाभार्थियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। इससे न केवल आवश्यक सहायता मिली बल्कि लड़कियों को शिक्षा और करियर विकास के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित भी किया गया। यह पहल मंदसौर स्थित केएनके कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

श्रीमति मृदुला देवी राठौर का सदमे के चलते मस्तिष्क की नस फटने से दुखद निधन

मृतका के पति बलवीर सिंह राठौड़ ने लगाया आरोप, झुठी शिकायत,मानसिक प्रताड़ना से हुई मेरी पत्नी की मौत

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीमती मृदुला देवी राठौर का सदमे के कारण असमय सदमे,व तनाव के कारण मस्तिष्क की नस फटने से दुखद निधन हो गया है।

श्रीमती मृदुला देवी राठौर सहज सरल धार्मिक मिलनसार व्यक्तित्व की नेक दिल महिला थी। उनके पति बलवीर सिंह राठौड़ ने ग्राम के अशोक पिता शंभू लाल धाकड़ पर झुठी मनगढ़ंत शिकायत एवं मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते,हुए बताया कि मैं ग्राम झांतला में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा हूं। जिसकी किसी को भी शिकायत नहीं है। लेकिन ग्राम के एक व्यक्ति ने अपना मेडिकल मेरी दुकान के पास लगाया और मरीजों को गोली दवाई उसके मेडिकल से लेने का दबाव बनाया गया। लेकिन मरीजों द्वारा ऐसा नहीं किए जाने पर उसने मेरे व मेरे परिवार के खिलाफ झुठी मनगढ़ंत शिकायतें जिलाधीश महोदय स्वास्थ्य विभाग व थाने में की गई। जिससे मैं व मेरा पूरा परिवार डिप्रेशन व तनाव में था इसी के चलते जांच पड़ताल करने के दौरान पुलिस घर पहुंची घर पर ही उनके सामने,मेरी पत्नी को मानसिक तनाव के चलते सदमा लगा,ओर वही मस्तिष्क की नस फटने से उसकी मौत हो गई। श्रीमती मृदुला देवी की अंतिम शव यात्रा श्री झवरेश्वर महादेव श्मशान घाट ले जाई गई। जहां आपके पुत्र अभय सिंह द्वारा आपको मुखाग्नि दी गई।

उनकी अंतिम शव यात्रा में हर तबके हर वर्ग हर समाज के व्यक्ति ने भाग लिया व गमगीन आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। अंतिम यात्रा मैं शामिल व क्षेत्र के हर व्यक्ति का यह मानना है। कि इस परिवार की झूठी व मनगढ़ंत शिकायतें बार-बार जिला कलेक्टर महोदय के यहां जा रही है। जिसकी जांच से यह परिवार दुखी व्यथित था।

श्री राठौर ने बताया कि बार-बार जनसुनवाई स्वास्थ्य विभाग व थाने पर गांव के ही अशोक पिता शंभू लाल धाकड़ द्वारा बार-बार झूठी शिकायत की गई। जिस कारण मेरी दुकान सील कर दि गयी । दुकान सील करने के बाद भी वह बार-बार मेरी छोटी शिकायत करता रहा इसकी जांच करने पुलिस घर पर आई तो उनके सामने ही मेरी पत्नी ने मानसिकता तनाव के चलते सदमे के कारण अपने प्राण त्याग दिए ।विगत 8 10 महीनों से दोनों पति-पत्नी मानसिक रूप से परेशान थे। उक्त परिवार सीधा-साधा व सज्जन होने व मान प्रतिष्ठा के डर से अंतिम संस्कार में शामिल हर व्यक्ति ने उक्त आदतन शिकायत बाज के खिलाफ सख्त निर्णय लिए जाने की मांग की गई है। व शासन प्रशासन से भी मांग की गई है कि उक्त शिकायत बाज की सारी शिकायतें झूठी व मनगढ़ंत है। मृदुला देवी का पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम संस्कार में ग्राम के औकार लाल पटेल, बद्री लाल पटेल बद्री दास बैरागी ललित जैन अध्यापक जम्मू कुमार जैन जनपद प्रतिनिधि राजेश शर्मा, कैलाश सुथार, विजय सेन, राधा कृष्ण धाकड़, जुल्फिकार अली भुट्टो, बाबरु,लाल धाकड़, बाबूलाल सोनी ,कमलेश पटेल मनोहर दास बैरागी, सांवरिया छिपा, बलराम सेन, कन्हैयालाल वावतिया,देवीलाल बावतिया राजेश पटेल आसाराम धाकड़ शंभू लाल धाकड़, , केके मंडल,, महेश, कैलाश धाकड़, छिपा, प्रदीप सुथार,आदि बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सभी ग्रामवासी व परिवारजन उक्त व्यक्ति के खिलाफ सामूहिक रूप से सिंगोली थाने व जिला कलेक्टर को आवेदन देकर उक्त शिकायत बाज के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करेगा ताकि भविष्य में इस प्रकार सीधे व सज्जन व्यक्ति को असमय अपनी मौत से हाथ ना धोना पड़े। शासन प्रशासन ऐसे व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

नई आबादी थाने में एनडीपीएस की एक और धरपकड़, एक किलो अफीम जब्त, एक गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई आबादी थाने में एनडीपीएस की एक और धरपकड़ की गई है। एक आरोपी से एक किलो अफीम जब्त करने का खुलासा हुआ है, जिसके कब्जे से एक वाहन एवं एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस मुख्यालय द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत मंदसौर पुलिस को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मन्दसौर तेरसिंह बघेल एवं सीएसपी जितेन्द्रसिंह भास्कर के कुशल मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी नईआबादी मंदसौर उनि कुलदीपसिंह राठौर के नेतृत्व में नई आबादी पुलिस द्वारा सुनियोजित कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को अवैध मादक पदार्थ परिवहन करते गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार नई आबादी पुलिस को दिनांक 04 जून को विश्वसनीय मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए आरोपी बालकृष्ण उर्फ कान्हा पिता राजेश पंवार जाति भांभी उम्र 24 साल निवासी ग्राम रिछा बच्चा थाना दलौदा जिला मदंसौर को अवैध मादक पदार्थ अफीम का परिवहन करते हुए मय मोटरसाईकिल मय मोबाईल के रंगे हाथ पकडा। आरोपी के कब्जे से 01 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद की गयी तथा थाना नई आबादी पर आरोपी के विरुद्ध धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध किया गया।पुलिस द्वारा तस्करी में प्रयुक्त वाहन 01 मोटर साईकिल जप्त की गई हैं। इसके अतिरिक्त आरोपी के कब्जे से 01 मोबाइल फोन बरामद किया गया हैं, जिनकी तकनीकी एवं साइबर विश्लेषण के माध्यम से जांच की जा रही है।

झांतला से शुरू हुई थी देश की पहली ग्राम न्यायालय, 89 से अधिक आज प्रदेश में

कांग्रेस के लिए जेल गए, पर पैसे को कभी हाथ नहीं लगाया पद सेवा के लिए है, मेवा के लिए नहीं- शिवम सैन चुकनी

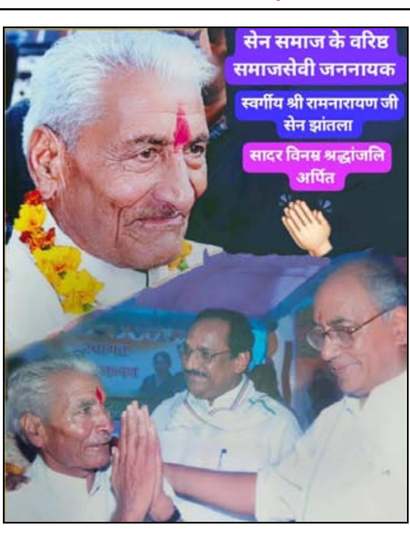

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सैन समाज आतरी उपरमाल चौरासी मालवा क्षेत्र के जननायक, 'मिनी भोपाल' के बाबूजी कहे जाने वाले परम श्रद्धेय स्व. श्री रामनारायण सेन जी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर क्षेत्र ने नम आंखों से याद किया। 5 जुलाई 1934 को जन्मे सेन साहब 13 मई 2021 को पंचतत्व में विलीन हो गए थे।

क्यों कहलाया झांतला 'मिनी भोपाल'- पूरे नीमच जिले में झांतला ने राजनीतिक चेतना के केंद्र के रूप में जो पहचान बनाई, उसके पीछे एक ही नाम था – सेन साहब। उनकी बात में वो दम था कि झांतला की चौपाल से उठी आवाज सीधे भोपाल के गलियारों में गूंज जाती थी। विषम परिस्थितियों में भी उन्होंने कांग्रेस का झंडा ऊंचा रखा।

देश की पहली ग्राम न्यायालय का गौरव- उन्हीं की न्यायप्रियता और जनजागरूकता के कारण झांतला में देश की सर्वप्रथम ग्राम न्यायालय का शुभारंभ हुआ। शासन जानता था कि जहां सेन साहब जैसी विभूति हो, न्याय का दीप वहीं सबसे पहले जलना चाहिए। आज प्रदेश में 89 से अधिक ग्राम न्यायालय संचालित हैं, पर शुरुआत का गौरव झांतला के नाम दर्ज है।

राष्ट्रीय स्तर पर संगठन में पैठ - गांधीजी के सच्चे अनुयायी सेन साहब को स्व. श्रीमंत माधवराव सिंधिया जी की अनुशंसा पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, भोपाल के रचनात्मक प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया था। स्व. अर्जुन सिंह जी को राजनीतिक गुरु मानने वाले सेन साहब ने बालकवि बैरागी जी और सीताराम जाजू जी के साथ संगठन को खून-पसीने से सींचा।

तीन दशक तक निर्विरोध समाज अध्यक्ष - सेन समाज आतरी उपरमाल बारवा क्षेत्र की कमेटी के अध्यक्ष पद पर वे तीन दशक तक निर्विरोध रहे। कई बार इस्तीफे की पेशकश की, पर समाज ने एक स्वर में कहा – बाबूजी, आप नहीं तो कोई नहीं। 1997 के कनेरा सम्मेलन में उन्होंने ऐलान किया - समाज की हर बेटी मेरी बेटी है और दर्जनों गरीब बेटियों का कन्यादान अपने हाथों से करवाया।

जेल से लेकर सचिवालय तक का सफर - कांग्रेस पार्टी और जनता के हकों के लिए सेन साहब ने जेल यात्रा भी की। लंबे समय तक जिला बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के पदाधिकारी रहे। उस दौर में पूर्व विधायक कन्हैयालाल जी नागोरी दडोली एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री घनश्याम जी पाटीदार हर कार्य में उनके साथ सक्रिय रहे।

बेबाक वक्ता : मुख्यमंत्री के सामने भी निर्भीक - वे हमेशा से ही बेबाक वक्ता के रूप में पहचाने जाते थे। मुख्यमंत्री के सामने भी निर्भीक होकर कहते – साहब, जनता के साथ गलत हो रहा है, इसे रोकना पड़ेगा।

चरित्र : पैसे को छुआ तक नहीं - सामाजिक-राजनीतिक जीवन में शीर्ष पर होने के बावजूद सेन साहब ने कभी पैसे को छुआ तक नहीं। हमेशा कहते – आदमी की पहचान पैसे से नहीं, उसके काम से होती है। पद सेवा के लिए है, मेवा के लिए नहीं। यही कारण था कि विरोधी भी उनकी ईमानदारी के कायल थे।

धार्मिक-सामाजिक निर्माण के पुरोधा - तिलस्वां महादेव धर्मशाला के एक-एक पत्थर में उनका पसीना बसा है। राधाकृष्ण मंदिर जाट में निर्माण रुकने पर सबसे पहले हाथ बढ़ाया। नारायणी माता धाम नीमच के विकास के लिए भोपाल तक बड़े नेताओं को ले गए। कहते थे - मंदिर और धर्मशाला बनेंगे तो समाज जुड़ेगा, रिश्ते बनेंगे।

सादा जीवन, ऊंचे विचार - सिंगोली स्कूल से सिर्फ 8वीं पास, पर दुनिया की समझ ऐसी कि अफसर भी नतमस्तक होते थे। पूज्य बापूजी शिवराम जी सेन का पुश्तैनी काम पूरी ईमानदारी से किया। लाखों कमाए पर घमंड को पास फटकने नहीं दिया।

आज उनके सुपुत्र निर्भीक पत्रकार सतीश सेन और दामाद जिला संगठन के स्तंभ हरिप्रसाद गेहलोत उनकी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

13 मई 2021 : उपरमाल की हिम्मत चली गई - जिस शाम खबर आई कि 'मिनी भोपाल' का निर्माता चला गया, उस शाम झांतला की हर गली सुबक रही थी। उपरमाल का हर गांव सूना हो गया। वो आवाज खामोश हो गई जो झोपड़ी से लेकर मंत्रालय तक एक जैसी बेबाकी से गूंजती थी। तिलस्वां महादेव की धर्मशाला का हर कमरा और झांतला की हर गली आज भी उन्हें पुकारती है। आप चले गए, पर आपका नाम, आपका काम और आपकी सिखाई एकता हमेशा अमर रहेगी। आप जैसा ना कोई था, ना कोई होगा।

नवकरणीय ऊर्जा मंत्री शुक्ला ने किए भगवान पशुपतिनाथजी के दर्शन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के मंत्री राकेश शुक्ला ने मंदसौर प्रवास के दौरान भगवान पशुपतिनाथजी मंदिर पहुंचकर भगवान पशुपतिनाथजी के दर्शन, पूजन-अर्चन एवं अभिषेक किया। मंत्री श्री शुक्ला ने भगवान पशुपतिनाथ से प्रदेश एवं देशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर की धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा भगवान पशुपतिनाथ के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की। दर्शन एवं पूजन के दौरान मंदिर समिति के पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष एवं सदस्य ने के दर्शन किए मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा एवं सदस्य श्रीमती सोनम निनामा ने मंदसौर प्रवास के दौरान भगवान पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचकर भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन एवं पूजन-अर्चन किया।

सम्पादकीय

विकास की अंधी दौड़ में लहूलुहान पर्यावरण, क्षत-विक्षत धरती

भारतीय पर्यावरण आंदोलन के महान पुरोधा सुंदरलाल बहुगुणा का यह कथन आज के दौर में किसी चेतावनी से कम नहीं है। बहुगुणा जी का मानना था कि प्रकृति और पर्यावरण के बिना किसी भी राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि स्थायी नहीं रह सकती। जंगल, जल, जमीन और जैव विविधता ही मानव सभ्यता की वास्तविक पूंजी हैं। यदि इनका अंधाधुंध दोहन किया जाएगा, तो विकास का पूरा ढांचा अंततः धराशायी हो जाएगा।

विश्वप्रसिद्ध पर्यावरण चिंतक डेविड एटॉमबर्ग ने कहा है प्राकृतिक संसार पर हमारी निर्भरता पहले से कहीं अधिक स्पष्ट हो चुकी है। वहीं जलवायु विद जॉन हेनसन ने दशकों पहले चेतावनी दी थी कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन पर नियंत्रण नहीं किया गया तो पृथ्वी का तापमान मानव सभ्यता के लिए गंभीर संकट पैदा कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून का कथन भी उल्लेखनीय है– जलवायु परिवर्तन हमारे समय की सबसे बड़ी सामूहिक चुनौती है। इन विचारों से स्पष्ट है कि पर्यावरण संकट केवल किसी एक देश का नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का प्रश्न बन चुका है।

पृथ्वी हमारे पूर्वजों से मिली हुई विरासत नहीं है, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों से लिया गया ऋण है। इसी प्रकार भारतीय पर्यावरणविद् वंदना शिवा का मानना है कि प्रकृति के संसाधनों का अंधाधुंध दोहन अंततः समाज और अर्थव्यवस्था दोनों को संकट में डाल देता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जब हम प्रकृति और पर्यावरण की चर्चा करते हैं, तब यह प्रश्न अनायास ही मन में उठता है कि क्या विकास की जिस राह पर मानव सभ्यता तेजी से आगे बढ़ रही है, वह वास्तव में विकास की राह है या विनाश की?

आदिम युग से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वर्तमान युग तक मनुष्य ने विज्ञान, तकनीक और संसाधनों के बल पर अभूतपूर्व प्रगति की है। ऊँची-ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कें, विशाल उद्योग, तीव्र गति से दौड़ते वाहन, वातानुकूलित भवन, आधुनिक मशीनें और डिजिटल तकनीक आज के विकास के प्रतीक माने जाते हैं। निस्संदेह इन उपलब्धियों ने मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाया है, किंतु इन सुविधाओं की कीमत प्रकृति को चुकानी पड़ रही है। विकास की अंधी दौड़ ने धरती को इस कदर लहूलुहान कर दिया है कि अब प्रकृति स्वयं अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ती दिखाई दे रही है। भारत जैसे विशाल और विकासशील देश में पर्यावरण प्रदूषण की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। देश के अधिकांश महानगर और औद्योगिक नगर वायु, जल तथा ध्वनि प्रदूषण की चपेट में हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पटना, कानपुर, लखनऊ, रायपुर और अन्य अनेक शहरों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। सड़कों पर बढ़ते वाहनों का जाल, उद्योगों की चिमनियों से निकलता धुआँ, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, डीजल जनरेटरों का उपयोग तथा वातानुकूलित यंत्रों की बढ़ती संख्या पर्यावरणीय संकट को और गहरा कर रही है।

पर्यावरणविद् और जलवायु वैज्ञानिक वर्षों से चेतावनी देते रहे हैं कि यदि विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया गया, तो मानव सभ्यता को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी आर्थिक विकास भी स्थायी रह सकेगा। आज विश्व भर के पर्यावरण विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का ह्रास और प्रदूषण 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। विकास के नाम पर जंगलों की अंधाधुंध कटाई पर्यावरणीय असंतुलन का सबसे बड़ा कारण बनती जा रही है। सड़क, रेल, खनन परियोजनाओं, औद्योगिक क्षेत्रों, बाँधों तथा शहरी विस्तार के लिए प्रतिवर्ष लाखों पेड़ काटे जा रहे हैं। वन केवल लकड़ी का स्रोत नहीं हैं, बल्कि वे पृथ्वी के फेफड़े हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, वर्षा चक्र को नियंत्रित करते हैं, मिट्टी का संरक्षण करते हैं और लाखों जीव-जंतुओं का आश्रय स्थल होते हैं।

जब कोई जंगल काटा जाता है तो केवल पेड़ नहीं गिरते, बल्कि उनके साथ पक्षियों के घोंसले उजड़ते हैं, वन्यजीवों का जीवन संकट में पड़ता है और प्रकृति का संतुलन भी डगमगा जाता है। जंगलों के विनाश ने हाथी, बाघ, तेंदुए और अन्य वन्यजीवों को मानव बस्तियों की ओर आने के लिए विवश कर दिया है। परिणामस्वरूप मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ रहा है। प्रकृति की यह पीड़ा केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि उन उजड़ते घोंसलों, सूखती नदियों और मौन होते जंगलों में भी दिखाई देती है, जिनकी आवाज़ सुनने का समय आज मनुष्य के पास नहीं है। आज मशीनों और आधुनिक तकनीक ने मानव जीवन को सुविधाजनक अवश्य बनाया है, किंतु इनके अनियंत्रित उपयोग ने पर्यावरणीय संकट को भी जन्म दिया है। उद्योगों की चिमनियों से निकलने वाली विषैली गैसें, ताप विद्युत संयंत्रों से उत्सर्जित धुआँ, वाहनों से निकलने वाला कार्बन तथा रेफ्रिजरेटर और वातानुकूलित यंत्रों से निकलने वाली गैसें वायुमंडल को प्रदूषित कर रही हैं।

आत्मसम्मानः सहजयोग की पहली सीढ़ी

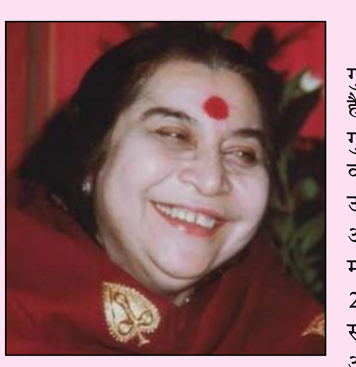

मानव जीवन में अनेक गुणों का महत्व बताया गया है, किन्तु उनमें से एक ऐसा गुण है जो व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व और आध्यात्मिक उन्नति की नींव बनता है– आत्मसम्मान। प.पू. श्री माताजी निर्मला देवी ने अपने 27 मई 1989 के प्रवचन में स्पष्ट रूप से कहा कि आत्मसम्मान सहजयोग की पहली सीढ़ी है।

आत्मसम्मान का अर्थ अहंकार नहीं है। यह स्वयं के भीतर स्थित दिव्यता, पवित्रता और मूल्य की पहचान है। जब व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप को समझता है, तब वह दूसरों से अनावश्यक प्रतिस्पर्धा, विवाद और संघर्ष में नहीं पड़ता। माताजी बताती हैं कि एक समझदार और विवेकशील व्यक्ति हर बात पर प्रतिक्रिया नहीं देता। वह पहले यह विचार करता है कि किसी विवाद या बहस का कोई औचित्य भी है या नहीं।

आज के समय में लोग छोटी-छोटी बातों पर तर्क-वितर्क, कटुता और संघर्ष में उलझ जाते हैं। इसका मुख्य कारण आत्मविश्वास और आत्मसम्मान की कमी है। जो व्यक्ति स्वयं को जानता है, वह अपनी ऊर्जा को निरर्थक चर्चाओं में नष्ट नहीं करता। उसका ध्यान अपने विकास, अपने कर्तव्यों और अपने आध्यात्मिक उत्थान पर रहता है।

किन्तु आत्मसम्मान का अर्थ कायरता या निष्क्रियता भी नहीं है। माताजी स्पष्ट करती हैं कि जब सत्य की रक्षा का समय आता है, तब आत्मसम्मानी व्यक्ति पीछे नहीं हटता। वह साहसपूर्वक खड़ा होता है और सत्य के पक्ष में अपनी आवाज़ उठाता है। उसकी शक्ति क्रोध या आक्रामकता से नहीं, बल्कि सत्य और धर्म के प्रति उसकी निष्ठा से आती है।

सहजयोग हमें अपने भीतर स्थित आत्मा के प्रकाश से जोड़ता है। जब यह संबंध स्थापित होता है, तब व्यक्ति अपने वास्तविक गौरव और सम्मान को अनुभव करता है। यह अनुभव उसे संतुलित, शांत और दृढ़ बनाता है। ऐसा व्यक्ति न तो दूसरों का अपमान करता है और न ही स्वयं का अपमान सहन करता है। वह प्रेम, करुणा और विवेक के साथ जीवन जीता है।

माताजी का संदेश हमें प्रेरित करता है कि हम अपने अंतःकरण में आत्मसम्मान का विकास करें और उसे अपने व्यवहार में अभिव्यक्त करें। जब आत्मसम्मान हमारे जीवन का आधार बनता है, तब हमारे विचार, वाणी और कर्म सभी में गरिमा और संतुलन दिखाई देता है। यही गुण हमें एक बेहतर मनुष्य और एक सच्चा सहजयोगी बनाता है।

अतः प्रत्येक साधक का प्रयास होना चाहिए कि वह अपने भीतर के आत्मसम्मान को जागृत करे, उसे पोषित करे और सत्य, प्रेम तथा धर्म के मार्ग पर चलते हुए उसे अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाए। यही सहजयोग की प्रथम सीढ़ी है और यही आध्यात्मिक उत्कर्ष का सुदृढ़ आधार भी। हमें इसी आत्मसम्मान को अपने अंतःकरण में विकसित करना है, और इसे अपने आचरण में अभिव्यक्त करना है।

परदेस से आई उम्मीदें, दिल्ली की आग में राख हो गईं

कुछ त्रासदियाँ सिर्फ जानें नहीं लेतीं, वे इंसानियत की चेतना को भी झकझोर देती हैं। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे बी एंड बी (लैमन ग्रीन रेस्टोरेंट) में 3 जून 2026 की सुबह लगी आग ऐसी ही एक त्रासदी बन गई। कुछ ही घंटों में 21 लोगों की जिंदगी बुझ गई, जिनमें 17 विदेशी नागरिक शामिल थे। नाइजीरिया, मोजाम्बिक, बांग्लादेश और लाइबेरिया से आए मेडिकल टूरिस्ट और उनके परिजन यहां ठहरे थे। आग बेसमेंट के रेस्टोरेंट से शुरू हुई और देखते ही देखते पूरी इमारत में फैल गई। केवल एक निकास मार्ग और संभावित ऑक्सीजन सिलेंडरों के विस्फोट ने हालात को और भयावह बना दिया। लोग बचने के लिए खिड़कियों की ओर भागे, लेकिन कई के लिए कोई रास्ता नहीं बचा। यह हादसा केवल आग की घटना नहीं, बल्कि लापरवाही, अव्यवस्था और सुरक्षा नियमों की अनदेखी की दर्दनाक कीमत है।

इस त्रासदी की जड़ आग नहीं, बल्कि वर्षों से जमा होती आ रही लापरवाही और नियमों की खुली अनदेखी थी। होटल को केवल 6 कमरों की अनुमति मिली थी, लेकिन वह 25 कमरों के साथ अवैध रूप से संचालित हो रहा था। न फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र था, न आपातकालीन निकास की व्यवस्था। पूरे पांच मंजिला भवन की सुरक्षा एक संकरे रास्ते के भरोसे छोड़ दी गई थी। मेडिकल टूरिज्म की आड़ में विदेशी मरीजों और उनके परिजनों को ठहराया तो गया, लेकिन उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाई नहीं गई। आग भड़कने के बाद बचावकर्मियों को घने धुएँ, भीषण गर्मी और सिलेंडर विस्फोटों के बीच राहत अभियान चलाना पड़ा, जिसमें 10 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। यह घटना केवल एक होटल की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता का प्रमाण है जहाँ सुरक्षा नियम अक्सर कागजों में दर्ज रहते हैं, जमीनी हकीकत में नहीं।

हादसे बदलते हैं, लेकिन व्यवस्था की प्रतिक्रिया नहीं। हर बड़ी आग के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट तैयार होती है, कुछ गिरफ्तारियाँ होती हैं और फिर मामला धीरे-धीरे फाइलों में दफन हो जाता है। उपहार सिनेमा अग्निकांड, करोल बाग, अनाज मंडी, मुंडका और अब मालवीय नगर–हर त्रासदी एक जैसी चेतावनी देती है, फिर भी नतीजे वही रहते हैं। राष्ट्रीय भवन निर्माण संहिता (एनबीसी) और फायर सेफ्टी नियमों की चर्चा तो होती है, लेकिन उनका पालन शायद ही दिखता है। होटल मुख्य मालिक लवकेश बजाज (टिंकू) फरार हैं, पुलिस गैर-इरादतन हत्या की धाराओं में जांच कर रही है, मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं और प्रधानमंत्री ने मुआवजे की घोषणा की है। मगर सबसे बड़ा सवाल वही है–क्या इससे व्यवस्था बदलेगी? पिछले अनुभव बताते हैं कि अधिकांश मामलों में जवाब 'नहीं' ही रहा है।

इलाज की तलाश में भारत आने वाले कई विदेशी नागरिक शायद यह नहीं जानते कि अस्पताल तक का सफर सुरक्षित हो सकता है, लेकिन ठहरने की जगह नहीं। मालवीय नगर की त्रासदी ने मेडिकल टूरिज्म के उस कमजोर और अनदेखे पक्ष को उजागर किया है, जहाँ सुरक्षा अक्सर मुनाफे के पीछे छूट जाती है। अवैध बीएंडबी, बिना फायर ऑडिट वाले होटल और सुरक्षा मानकों की अनदेखी मरीजों व उनके परिजनों को लगातार जोखिम में डाल रही है। विदेशी नागरिकों की मौत भारत की वैश्विक छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है, लेकिन इससे बड़ा सवाल उन भारतीय परिवारों की सुरक्षा का है, जो रोज ऐसे भवनों में ठहरते हैं। क्या इस बार भी जवाब मुआवजे और संवेदनाओं तक सीमित रहेगा, या व्यवस्था वास्तव में कोई सबक सीखेगी?

इस संकट की असली वजह संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि नियमों के पालन का अभाव है। दिल्ली समेत कई राज्यों के पुराने भवन आज भी फायर स्प्रिंकलर, अलार्म सिस्टम और वैकल्पिक निकास जैसी बुनियादी सुरक्षा सुविधाओं से वंचित हैं। निरीक्षण व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण लाइसेंस मिल जाते हैं, भवनों में अवैध विस्तार होता रहता है और इसकी कीमत आम लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है। हर वर्ष हजारों अग्निकांड होने के बावजूद होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा नियमों का कठोर पालन सुनिश्चित करने की गंभीर इच्छा नहीं दिखती। बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन ने जोखिम को और बढ़ा दिया है, लेकिन तैयारी और जवाबदेही अब भी बेहद कमजोर है।

यदि हर हादसे के बाद सिर्फ शोक, मुआवजा और आश्वासन ही मिलते रहें, तो अगली त्रासदी केवल समय का इंतजार बन जाती है। जरूरत तात्कालिक प्रतिक्रियाओं की नहीं, ऐसी व्यवस्था की है जो जोखिम को पहले ही रोक दे। सभी बड़े शहरों में नियमित फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य हों, अवैध निर्माणों पर तत्काल कार्रवाई हो और फायर एनओसी के बिना किसी भवन को संचालन की अनुमति न मिले। नियमों की अनदेखी करने वाले मालिकों के साथ जिम्मेदार अधिकारियों की भी जवाबदेही तय हो। स्कूलों, कॉलेजों और होटलों में नियमित फायर ड्रिल व सुरक्षा प्रशिक्षण अनिवार्य हों, साथ ही जन-जागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएँ। मालवीय नगर हादसे के बाद शुरू हुई जांचें स्वागतयोग्य हैं, लेकिन उनका महत्व तभी है जब वे सुर्खियों से निकलकर स्थायी सुधारों में बदलें। पीछे छूट गया धुआँ भले ही समय के साथ छंट जाए, लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी कई सवाल अनुत्तरित छोड़ गई है। यह केवल 21 जिंदगियों के बुझ जाने की कहानी नहीं, बल्कि उन खतरनाक खामियों का आईना है जिन्हें वर्षों से नजरअंदाज किया जाता रहा है। जब तक नियमों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासनिक लापरवाही पर कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसी आगें केवल इमारतों को नहीं, परिवारों के सपनों और भविष्य को भी निगलती रहेंगी। अब समय संवेदनाओं और आश्वासनों से आगे बढ़ने का है। सरकार, प्रशासन और समाज–सभी को मिलकर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनानी होगी। क्योंकि किसी भी त्रासदी के बाद सबसे कठिन काम मलबा हटाना नहीं, बल्कि उन जिंदगियों की कमी को भरना होता है जो कभी लौटकर नहीं आतीं।

–प्रो. आरके जैन

फिर से ज्ञान का केंद्र बने भोजशाला

धार की परमारवंशकालीन भोजशाला पर आए इंदौर हाई कोर्ट के निर्णय ने गौरवशाली मालवा संस्कृति के ख्यातिप्राप्त राजा भोज की सांस्कृतिक विरासत और उपलब्धियों को याद दिलाने का भी काम किया है। धारा नगरी में विद्वता का सम्मान, कला का उत्कर्ष और संस्कृति का वैभव था। राजा भोज ने जब धारा नगरी को अपनी राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित किया तो उसे केवल शासन का केंद्र नहीं, बल्कि ज्ञान-परंपरा, संस्कृति, पारस्परिक सौहार्द का भव्य नगर बना दिया।

यहां निर्मित भव्य महल, देवालय और शिक्षा केंद्र भारत की समृद्ध सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। इनमें मां सरस्वती का मंदिर सर्वप्रमुख है। सरस्वती मंदिर के निकट एक विजय-स्तंभ स्थापित कराया गया था। भोपाल के दक्षिण-पूर्व में राजा भोज ने 250 वर्ग मील लंबी भोज सरोवर नामक झील का निर्माण करवाया। चित्तौड़ में त्रिभुवन नारायण मंदिर बनवाया, मेवाड़ के नागोद क्षेत्र में भूदान किया। 1034 में सरस्वती मंदिर परिसर में उन्होंने एक संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना कराई, जिसे आज भोजशाला के नाम से जाना जाता है। यह संस्थान नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय की समृद्ध परंपरा के समकक्ष था और लगभग 271 वर्षों तक यह संस्थान विश्वस्तरीय शिक्षा केंद्र के रूप में बहुत प्रतिष्ठित बना रहा।

यह उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार ने भोजशाला परिसर को सरस्वती लोक और एक भव्य शोध संस्थान के रूप में विकसित करने का फैसला किया है। इस परियोजना के तहत भोजशाला परिसर में राजा भोज शोध संस्थान स्थापित किया जाएगा, जो राजा भोज की ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने का कार्य करेगा। उचित यह होगा कि भोजशाला में अंतरराष्ट्रीय महत्व का ऐसा शैक्षिक संस्थान बने, जो प्राच्य विद्या के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरे। ऐसा इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि सम्राट भोज केवल प्रतापी राजा नहीं, बल्कि विद्या, कला, साहित्य और स्थापत्य के महान संरक्षक थे। उनकी राजसभा में विभिन्न कलाओं में निष्णात पांच सौ विद्वानों को आश्रय प्राप्त था। राजा भोज ने धर्म, संस्कृति, खगोल विद्या, वास्तुकला, ज्योतिष, व्याकरण, कोश रचना, काव्य और आयुर्वेद-औषधि जैसे विभिन्न विषयों पर 84 ग्रंथों की रचना की। राजा भोज की काव्यात्मक प्रतिभा भी उच्चकोटि की थी। इतिहास के पन्नों को पलटने पर ज्ञात होता है कि राजा भोज वीरता और विद्वता के अद्भुत संगम थे। वे रणभूमि में पराक्रमी सम्राट ही नहीं थे, बल्कि भारतीय ज्ञान-परंपरा, संस्कृति और विद्वता के महान संरक्षक थे। उनके शासनकाल को भारतीय इतिहास में स्वर्णयुग के रूप में याद किया जाता है। संस्कृत के प्रतिष्ठित विद्वान और प्रमुख इतिहासकार बल्लाल ने अपने ग्रंथ भोज-प्रबंध तथा जैन आचार्य-कवि धनपाल ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ तिलकमंजरी में उन्हें कविराज की उपाधि से विभूषित किया। पुरातत्वविदों को भोज शासनकाल की ऐतिहासिक जानकारी देने वाले आठ अभिलेख (1011 से 1046 ई.तक के) प्राप्त हुए हैं।

–धनंजय राजौरा

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम ÷प्लास्टिक प्रदूषण का अंत÷ (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है।

संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

–ललित गर्ग

कॉकरोच जनता पार्टी बनी युवाओं के राजनीतिक गुस्से का वायरल प्रतीक

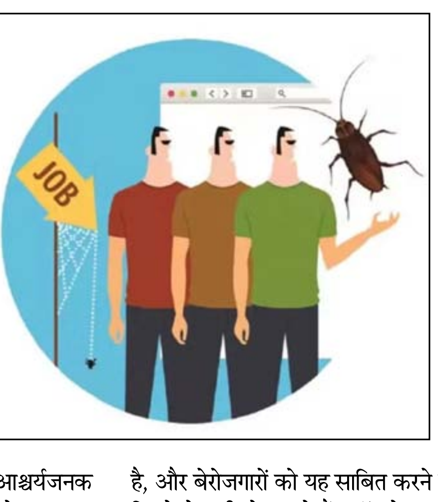

हाल के दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ऑनलाइन लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल देखी गई। इसके इंस्टाग्राम पेज, एक्स अकाउंट और वेबसाइट पर एक हफ्ते में 2.2 करोड़ से अधिक लोगों ने साइन-अप किया। फिर भारत में इसके सभी सोशल मीडिया हैंडल और वेबसाइट को 'सुरक्षा कारणों' से ब्लॉक या बंद कर दिया गया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इन प्रतिबंधों को कानूनी चुनौती दी है। लेकिन कॉकरोच(तिलचट्टों) का सफाया करना आसान नहीं है और इनके मीम लगातार फैलते जा रहे हैं। कार्यकर्ता सड़कों पर कॉकरोच के मुखौटे और टी-शर्ट पहनकर जुलूस निकालते नजर आए। इस प्रचार की गति आश्चर्यजनक नहीं है। 'कॉकरोच' शब्द ने युवा, डिजिटल रूप से जागरूक राष्ट्र की नब्ज को छुआ है।

30 वर्ष से कम आयु के भारतीय चौबीसों घंटे स्मार्टफोन से जुड़े रहते हैं और यहां प्रति व्यक्ति डेटा खपत अन्य किसी भी देश से कहीं अधिक है। प्रतिबंध व्यावहारिक रूप से बेकार हैं क्योंकि कई युवा वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल नियमित रूप से करते हैं। इनमें से बहुत से लोग डार्क वेब पर समय बिताते हैं, जहां वे क्रिप्टोकरेंसी का व्यापार करते हैं, पोर्न देखते हैं, गेम के लिए चीटकोड का आदान-प्रदान करते हैं, वीडियो पायरेट करते हैं और ऐसे हैक्स साझा करते हैं जिनसे वे मुफ्त में खेल देख सकते हैं। इन सब के कारण वे गुमनाम रहते हुए ऑनलाइन प्रतिबंधों को आसानी से पार करने में माहिर हो जाते हैं।

अधिकांश लोगों को कॉकरोच घिनौने लगते हैं। लेकिन अगर लक्षित समूह द्वारा इसे अपना लिया जाए तो अपमानजनक शब्दों को बेअसर किया जा सकता है। समाजशास्त्रियों ने इस विषय पर बहुत कुछ लिखा है। एलजीबीटीक्यू कार्यकर्ता, अश्वेत कार्यकर्ता और अन्य लक्षित समूहों ने ऐसा अक्सर किया है।

दिपके ने व्यंग्यात्मक रूप से कॉकरोच वाले अपमानजनक शब्द को अपना लिया। लाखों युवाओं ने उनका अनुसरण किया। किसी संदर्भ में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह 'आलसी और बेरोजगार लोगों की आवाज' है। इस मीम को जन्म देने वाले मुख्य न्यायाधीश का कहना था कि उनका इशारा फर्जी डिग्रियों वाले लोगों की तरफ था।

यह पता लगाना वास्तव में असंभव है कि युवा भारतीय आलसी हैं या नहीं, क्योंकि उनमें से एक बड़ा हिस्सा बेरोजगार है, और बेरोजगारों को यह साबित करने का अवसर नहीं मिलता कि वे मेहनती हो सकते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी की इस लहर का एक मुख्य कारण युवाओं में उच्च बेरोजगारी दर है। 35 वर्ष से कम आयु के भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा बेरोजगार है और कुछ तो एक दशक से भी अधिक समय से नौकरी की तलाश में हैं। अन्य लोग जो भी काम मिल पाता है, उसे कर रहे हैं।

अत्यधिक योग्यता प्राप्त लोगों सहित लाखों युवा, किसी भी विज्ञापित नौकरी के लिए हताशा में आवेदन करते हैं। कोई भी सरकार इस मोर्चे पर कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई है और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के कार्यबल में प्रवेश करने से स्थिति और भी खराब हो सकती है।

फर्जी डिग्रियों के मामले में, 2026 एक महत्त्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। नीट अंडरग्रैजुएट परीक्षा के पेपर लीक होने और सीबीएसई वेबसाइट विवाद को देखते हुए, यह तर्क दिया जा सकता है कि समकालीन भारतीय डिग्रियों और प्रमाणपत्रों की विश्वसनीयता संदिग्ध जरूर है। यह युवाओं के गुस्से का एक और कारण है। सीजेपी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग वाली एक याचिका थी। वेबसाइट बंद होने से पहले ही इस पर 6 लाख हस्ताक्षर हो चुके थे।

नीट परीक्षा घपला और सीबीएसई की वेबसाइट को आसानी से हैक करके अंक बदलने की बात सामने आने के बाद परीक्षा परिणामों पर भरोसा करना मुश्किल हो गया है। शिक्षा व्यवस्था में हो रही गड़बड़ी का सीधा असर उस आयु वर्ग के सभी लोगों पर पड़ता है। उन लड़कों और लड़कियों को अपनी डिग्रियों की विश्वसनीयता साबित करनी होगी, भले ही उन्हें अच्छे अंक मिले हों। बेरोजगारी और संदिग्ध रूप से संचालित परीक्षाओं का सबसे ज्यादा असर युवाओं पर पड़ता है। लेकिन सीजेपी के 'कॉकरोच' ने महंगाई की मार और इससे उनके परिवारों पर पड़ने वाले कष्टों को भी उजागर किया है। जाहिर है, वे बढ़ती महंगाई के लिए सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं।

सीजेपी के 'घोषणापत्र' में उन अन्य मुद्दों को भी उठाया गया है जो आज के युवाओं में असंतोष पैदा करते प्रतीत होते हैं। इनमें भाई-भतीजावाद, पूंजीपतियों के सत्ता से गठजोड़ या जोड़तोड़ के आरोप भी शामिल हैं। सीजेपी के संस्थापक ने कई स्वतंत्र वेबसाइटों से बात तो किया, लेकिन टीवी स्टूडियो में आने से इनकार कर दिया है। यह सत्ता प्रतिष्ठान के प्रति अविश्वास का संकेत है, जो ऐसे किसी भी राजनेता के लिए चिंता का विषय होना चाहिए जो युवा जनता से जुड़ने का प्रयास कर रहा है।

सीजेपी और उसका उदय इस बात का संकेत है कि मुख्यसेक्शन के राजनेता अब युवाओं से आसानी से जुड़ नहीं पा रहे हैं। निराश युवा अपनी नाराजगी व्यक्त करने के लिए व्यंग्य का सहारा ले रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि रोजगार, महंगाई और शिक्षा जैसी उनकी रोजमर्रा की चिंताओं को दूर करने के लिए वे राजनेताओं पर भरोसा नहीं कर सकते।

क्या टिप्पणीकार सीजेपी की तुलना बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका में सरकारों को उखाड़ फेंकने वाले युवा आंदोलनों से करके जल्दबाजी कर रहे हैं? शायद अभी शुरुआती दौर में ऐसा हो। लेकिन ऑनलाइन व्यंग्य पर प्रतिबंध लगाना एक ऐसा कदम है जो अप्रभावी साबित हो सकता है- प्रतिबंध स्ट्राईसैंड प्रभाव पैदा कर सकते हैं, जिससे सामग्री और अधिक फैल सकती है।

सीजेपी का व्यंग्यात्मक दृष्टिकोण किन विषयों को निशाना बनाता है, और युवाओं के बीच इसकी लोकप्रियता का कारण क्या है, इन सभी का गहन अध्ययन करना आवश्यक है। सीजेपी और उसका घोषणापत्र एक अनौपचारिक जनमत सर्वेक्षण के समान है जो हमें बताता है कि युवाओं को किन बातों की चिंता है, इन चिंताओं का समाधान चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकता है और करना भी चाहिए।

–सुनील कुमार महला

परीक्षा, प्रतीक्षा और समीक्षा ये वर्तमान युग में आवश्यक है :- पंडित मधुसूदन नागर

महावीर नगर खरे नर्सिंग होम के समीप स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर में कलशयात्रा के साथ भक्त श्रीमाल की कथा हुई प्रारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परीक्षा, प्रतीक्षा और समीक्षा ये वर्तमान युग में आवश्यक है। हर विषय की तैयारी करते हुए परीक्षा दें और परिणाम की प्रतीक्षा करें। इस बीच यह भी विचार करें, समीक्षा करें कि हमने तैयारी किस प्रकार की। तभी हम सफल हो सकेंगे। यह बात महावीर नगर खरे नर्सिंग होम के समीप स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर में आज गुरुवार से प्रारंभ हुई भक्त श्री माल की कथा के पहले दिन पंडित मधुसूदन नागर ने कही। उन्होंने कहा भगवान को ऐसे लोग पसंद हैं जो लोगों को, परिवार को, समाज को, देश को जोड़ने का काम करते हैं। यदि युवा वर्ग सत्संग में जाना शुरू कर दें तो मामूली बातों पर घर छोड़ने, आत्मघाती कदम उठाने की घटनाएं रोकी जा सकती हैं। कथा के दौरान संगीतमय भजनों पर भक्तों ने भावविभोर होकर ताली और नृत्य सेवा की। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक हो रही है। 10 जून को कथा समापन पर सभी सामाजिक बंधुओं और दानदाताओं के सहयोग से विशाल भंडारा होगा। उल्लेखनीय है कि आयोजन सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज संगठन देवास, श्री विश्वकर्मा सामाजिक एवं धार्मिक लोक न्यास तथा श्री विश्वकर्मा मंदिर समिति के पदाधिकारी और सदस्यों के सहयोग से हो रहा है।

गाजेबाजे के साथ कलशयात्रा निकली खेड़ापति मंदिर से- कथा प्रारम्भ के पूर्व सुबह खेड़ापति हनुमान मंदिर से गाजेबाजे के साथ कलश यात्रा निकली। कथा पुराण को सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज अध्यक्ष पीडी शर्मा सहित अन्य ने बारी बारी से अपने सिर पर धारण किया। भगवान श्री हरि, भगवान श्री विश्वकर्मा एवं संत महात्माओं के जयघोष से सम्पूर्ण क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुए श्री विश्वकर्मा मंदिर, महावीर नगर, देवास पहुंची, जहां विधिवत पूजन-अर्चन के साथ कलश यात्रा का समापन हुआ। आयोजन की व्यवस्था में सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज देवास सचिव ओम प्रकाश पेड़ीवाल, कोषाध्यक्ष राधेश्याम पांचाल, संगठन मंत्री छगनलाल पिपलोदिया, उपाध्यक्ष रमेशचंद विश्वकर्मा, विश्वकर्मा मंदिर समिति अध्यक्ष राकेश शर्मा, दिलीप आसलिया, राजेश सिलक, अशोक शर्मा, प्रमोद कारपेंटर, विष्णु विश्वकर्मा राजोदा, प्रमोद मालवीया, अनिल पांचाल राजोदा, देवकरण शर्मा सहित सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज महिला मंडल देवास तथा श्री विश्वकर्मा मंदिर समिति महिला मंडल देवास की श्रीमती उर्मिला शर्मा, श्रीमती उषा शर्मा, श्रीमती रंजना शर्मा, श्रीमती माया अशोक शर्मा, श्रीमती निशा पिपलोदिया, श्रीमती अंतिम शर्मा, श्रीमती सारिका शर्मा, श्रीमती दुर्गा कैलाश चंद्र, श्रीमती संगीता शर्मा, श्रीमती रेखा राहुल शर्मा आदि भी आयोजन में सहयोग कर रहे हैं। आयोजन समिति ने सर्व विश्वकर्मा वंशज और सभी धर्मप्रेमी जनता, माता, बहनों से धर्म, भक्ति और सत्संग और भंडारे का लाभ लेने की अपील की। यह जानकारी सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज समाज देवास के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र पिपलोदिया ने दी।

धीरज शर्मा नवयुवक मंडल के अध्यक्ष नियुक्त- कथा आयोजन के दौरान समाज संगठन को भी विस्तार दिया गया। यहां धीरज पिता शेखर शर्मा मुखर्जी नगर देवास को नवयुवक मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। समाजबंधुओं ने अपेक्षा की कि श्री शर्मा के नेतृत्व में नवयुवक मंडल समाजहित, धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में निरंतर प्रगति करेगा।

देवास के तैराकों का जलवा, 54वीं राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में जीते 5 पदक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रीवा में आयोजित 54वीं राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में देवास जिले के तैराकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में देवास के खिलाड़ियों ने कुल 5 पदक अपने नाम कर उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में सृष्टि वर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 सिल्वर पदक हासिल किए। वहीं सुदर्शन सोलंकी ने भी शानदार तैराकी का प्रदर्शन करते हुए 1 सिल्वर पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया। खिलाड़ियों की इस उल्लेखनीय सफलता पर जिला तैराकी संघ के सचिव ओपी जगावत एवं कोच सौरभ कहार ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, लगन और अनुशासन का ही परिणाम है कि देवास के तैराक लगातार राज्य स्तर पर।

निम्न प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के शिक्षकों की नियमित रूप से समीक्षा करें- कलेक्टर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के मार्गदर्शन में जिले में प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में सुधार तथा निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्रभावी प्राप्ति के उद्देश्य से बीएसी एवं जनशिक्षकों का दो दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के चारों विकासखंडों के अकादमिक नेतृत्वकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक रणनीतियों एवं संसाधनों से अवगत कराया जा रहा है।

कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने प्रशिक्षण का निरीक्षण करते हुए शिक्षक संदर्शिका के नियमित उपयोग, मासिक ट्रैकर डेटा की शत-प्रतिशत एवं सटीक प्रविष्टि, कमजोर प्रदर्शन वाली शालाओं को विशेष अकादमिक सहयोग प्रदान करने तथा गणित कॉर्नर को सक्रिय बनाने के निर्देश बीएसी एवं जनशिक्षकों को दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने निर्देश दिये कि निम्न प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के शिक्षकों की नियमित रूप से समीक्षा करें।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने डीपीसी को निर्देश दिये कि वे नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण करें। उन्होंने शाजापुर एवं मो. बड़ोदिया विकासखण्ड के बीएसी एवं जनशिक्षकों को बच्चों के शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने एवं विद्यालयों में शिक्षक संदर्शिका, मासिक ट्रेकर अनुसार गतिविधियां आयोजित कराने तथा समय-समय पर आंगनवाड़ियों का निरीक्षण कर, बच्चों के शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिये। इस दौरान प्रतिभागियों के साथ पूर्व प्रशिक्षणों के अनुभवों एवं विद्यालय स्तर की चुनौतियों पर भी चर्चा की।

इस दौरान कलेक्टर सुश्री बाफना ने उन्मुखीकरण के दौरान डाइट शाजापुर में स्थापित ईसीसीई कक्ष का अवलोकन किया। इस अवसर पर डाइट प्राचार्य श्रीमती अनीता श्रीवास्तव ने आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में ईसीसीई कक्ष के उपयोग एवं उसकी उपयोगिता की जानकारी साझा की।

उन्मुखीकरण के दौरान प्रतिभागियों को मिशन अंकुर के विभिन्न घटकों, कक्षा 1 से 3 के निपुण लक्ष्यों, शिक्षक संदर्शिका, वर्कबुक, जादुई पिटारा, गणित संदर्शिका तथा शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) के प्रभावी उपयोग पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही विद्यालयों में क्रियाशील रीडिंग कॉर्नर और समृद्ध शिक्षण वातावरण विकसित करने पर विशेष बल दिया गया, जिससे बच्चों में भाषा एवं गणितीय दक्षताओं का विकास सुनिश्चित किया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने समूह गतिविधियों एवं प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने के लिए अपनी कार्य योजनाएँ साझा की। डाइट प्राचार्य श्रीमती अनीता श्रीवास्तव ने कहा कि नियमित आंकलन, कक्षा अवलोकन एवं शिक्षकों को समयबद्ध फीडबैक प्रदान कर विद्यार्थियों की सीखने की उपलब्धियों में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने अकादमिक नेतृत्वकर्ताओं से विद्यालयों में सतत शैक्षणिक सहयोग सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

भारतीय वायु सेना में हिन्द फौज सैनिक निधि भगत का चयन, सम्मान समारोह आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिन्द फौज के लिए गौरव का विषय बनते हुए सैनिक निधि भगत का चयन भारतीय वायु सेना (एयर फॉर्स) में हुआ है। इस उपलब्धि पर हिन्द फौज परिवार द्वारा निधि भगत एवं उनकी माता का स्वागत एवं सम्मान किया गया। हिन्द फौज कमांडर सीएसएम जितेंद्र गोस्वामी ने बताया कि निधि भगत ने भारतीय वायु सेना में भर्ती होकर यह सिद्ध कर दिया है कि हिन्द फौज के सैनिक देश की तीनों सेनाओं–थल सेना, जल सेना और वायु सेना–में शामिल होकर राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तैयार हैं। उन्होंने कहा कि निधि की सफलता अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग से जावेद पठान, हिन्द फौज संचालक सुरेश शर्मा, कुमेर सिंह वर्मा, दीपिका बोरीवाल, हिन्द फौज शिक्षा संचालक श्रीजा अग्रवाल एवं रवि अग्रवाल, हिन्द फौज रक्तदान संचालक सीमा गिरी एवं विकास गिरी, हिन्द फौज योगा संचालक चंद्रशेखर तिवारी एवं मोना तिवारी, हिन्द फौज एथलेटिक प्रशिक्षक संचालक ताशीन शेख, हिन्द फौज एथलेटिक संचालक सृजनिका लोखंडे, अजय दायमा, आरती दायमा, हिन्द फौज सैनिक शुभम सोनी, दरबार जी, तनुजा धार सहित अनेक पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने निधि भगत को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन रीना पटेल ने किया।

5 से 21 जून के मध्य जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के निर्देश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि 05 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस से 21 जून 2026 तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य भारत सरकार एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विशेष अभियान संचालित कर विभाग वार कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना द्वारा शासन निर्देशानुसार 05 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस से 21 जून 2026 तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य भारत सरकार एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत शाजापुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अनुपमा चौहान को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया हैं। कलेक्टर सुश्री बाफना ने राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विभागवार अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। जिसमें 05 जून से 21 जून तक वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, 12 जून से 18 जून तक जल कल्याण शिविर, विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर केन्द्र एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत छूटे हुए पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण, 12 जून से 18 जून तक सीएम हेल्पलाइन, लोकसेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं एवं आवेदनों का शतप्रतिशत निराकरण, 19 जून एवं 20 जून तक प्राकृतिक खेती कार्यशालाएं एवं 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन करने के निर्देश दिये हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में हाटपीपल्या विधायक मनोज चौधरी एवं बागली विधायक मुरली भंवरा , नगर परिषदों के अध्यक्षो सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, निगमायुक्त दलीप कुमार, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंशु जावला, जिला परियोजना अधिकारी सुश्री स्मिता रावल, सुश्री इंदु भारती, सभी नगर परिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारी, उपयंत्री, जल निगम एवं एमपीयूडीसी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में जिले की नगरीय निकायों में प्रचलित अमृत 2.0 अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य (जलप्रदाय, ग्रीन स्पेस एवं वाटर बॉडी रेज्यूवेनेशन) की प्रगति की समीक्षा की गई तथा कार्यों में आ रही समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए आदेश के पालन के लिए विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा कर इसके संबंध में मासिक बैठक आयोजित करने एवं रिपोर्ट शासन को भेजने के निर्देश दिये।

बैठक में हाटपीपल्या विधायक मनोज चौधरी एवं बागली विधायक मुरली भंवरा द्वारा जलप्रदाय के संबंध में बताई गई समस्याओं का तत्काल निराकरण के लिए एमपीयूडीसी को निर्देशित कर वर्षा ऋतु से पूर्व कार्य को पूर्ण करने हेतु कहा गया। बैठक में उपस्थित नगर परिषद नेमावर अध्यक्ष श्री कृष्णगोपाल अग्रवाल, कांटाफोड़ अध्यक्ष कैलाश चंद्र आमोदिया, करनावद अध्यक्ष परसराम पाटीदार, अध्यक्ष हाटपिपल्या श्रीमती चंद्रकांता अरुण राठौर एवं बागली अध्यक्ष श्रीमती सीमा कमल यादव द्वारा अपनी निकाय से संबंधित समस्याओं को कलेक्टर सिंह के समक्ष रखा गया। जिनके निराकरण के लिए उपस्थित मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया।

श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में निःशुल्क प्रवेश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रमिको के पुत्र एवं पुत्रियों के लिए श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल मे आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रवेश प्रक्रिया 30 जून तक होगी। इस संबंध में भोपाल स्थित आदर्श आई.टी.आई. में वर्ष 2026 के प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरु हो गई है।

जिला श्रमपदाधिकारी ने बताया कि जिले के मध्यप्रदेश भवन एंव संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिको के बच्चो के लिए भारत सरकार से एनसीवीटी मान्यता प्राप्त श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में निऱ्शुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता हैं। आई.टी.आई. में प्रवेश के लिए इच्छुक आवेदक 26 मई से 30 जून 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदक चॉइस फिलिंग 1 जून से 30 जून 2026 के मध्य कर सकेंगे। कक्षा8 वी एवं 10वी पास अभ्यर्थी संस्था में संचालित आठ ट्रेडो में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदक नजदीकी कियोस्क सेंटर के माध्यम से प्रवेश के लिए पंजीयन एंव चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। प्रवेश संबंधी जानकारी पोर्टल www.dsd.mp.gov.in पर भी प्राप्त की जा सकती है। श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में संचालित एक एंव दो वर्षीय ट्रेड इलेक्ट्रीशियन में 20 सीट।

जिले में अब तक 35.7 मिमी औसत वर्षा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में गत दिवस से आज प्रात 8.00 बजे तक कुल 19.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई हैं। सर्वाधिक वर्षा तहसील शाजापुर में 39 ?मिमी दर्ज की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 04 जून 2026 को तहसील शाजापुर में 39 मिमी., मो. बड़ोदिया में 1.00 मिमी, शुजालपुर में 30 मिमी, कालापीपल में 26 मिमी, गुलाना में 12 मिमी, पोलायकलां में 15 मिमी एवं अ. बड़ोदिया में 12 मिमी वर्षा दर्ज हुई हैं। इस प्रकार 01 जून 2026 से अब तक तहसील शाजापुर में 57 मिमी, मो. बड़ोदिया में 15 मिमी., शुजालपुर में 45 मिमी।

मलेरिया की रोकथाम और जनजागरूकता लाने के लिये जिले भर में घूमेगा मलेरिया रथ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि मलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला वाहक जनित रोग है जिसका फैलाव बारिश के दिनों में अधिक तेजी से होता है। मलेरिया रोग के प्रति जन-जागरूकता लाने, इसके फैलाव को रोकने और जांच तथा उपचार की व्यवस्था हेतु मलेरिया रथ पूरे देवास जिले में भ्रमण करेगा। गुरूवार को मलेरिया रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इसी के साथ जिले में मलेरिया माह-जून-2026 के विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों की औपचारिक शुरूआत हुई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि मलेरिया रथ संपूर्ण देवास शहर और समस्त 06 विकास खण्डों में भ्रमण करके वाहक जनित रोगों जैसे-मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया, फाईलेरिया, हाईड्रोसील, लिम्फेडिमा आदि के संबंध में जनजागरूकता का प्रसार करेगा। रथ के साथ समस्त विकास खण्डों में स्थानीय मलेरिया निरीक्षक और लैब टेक्नीशियन भी होंगे जो बुखार के रोगी की पहचान कर किट के माध्यम से मलेरिया की जांच भी करेंगे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सरोजिनी जेम्स बेक ने कहा कि प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी मलेरिया माह जून-2026 में कई कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इसी श्रंखला में आज रथ के उद्घाटन के साथ ही अन्य गतिविधियां भी होंगी जिनमें शिक्षण संस्थाओं में भाषण व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, गांव चैपालों में नुक्कड़ नाटक और नौटंकी की प्रस्तुति होगी। इनके द्वारा वाहक जनित रोगों की रोकथाम के लिये सार्थक संदेश प्रसारित किये जाएंगे। आशा कार्यकर्ताओं द्वारा गांव-गांव में नारे लेखन किये जाएगें।

जिला मलेरिया अधिकारी दौलत पटेल ने कहा वर्तमान में मलेरिया और डेंगू के प्रकरण सामने नहीं आ रहे हैं। लेकिन आगामी समय में हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है। वर्षा के आरंभ के साथ ही मच्छरों की पैदावार भी बढ़ जाती है। यदि हम घर के अंदर और बाहर पानी का जमाव न होने दें और प्रति माह घर की साफ-सफाई करने के साथ कूलर का पानी बदलें तो मच्छरों की पैदावार को नियंत्रित किया जा सकता है। डेंगू का मच्छर दिन के समय और मलेरिया का मच्छर शाम और रात के समय अधिक सक्रिय होता है। थोड़ी सी सावधानी हमें मच्छरों के कांटने से होने वाली बीमारियों से बचा सकती है।

''वाहक जनित रोगों से बचने के उपाय''

घर में और आसपास मच्छर न होने दें।

दिन में पूरी बांह के कपड़े पहने।

सोते समय मच्छरदानी लगाऐं।

घर के आसपास नीम की पत्तियों का धुआं करें।

कूलर, फ्रिज की ट्रे, ए.सी. की डक्ट, गमलों, पीने की टंकी/बॉटल, पशुओं के पानी की पीने के टंकी आदि में मच्छर का लार्वा दिखाई देने पर तत्काल पानी को खाली करें और लार्वा का विनिष्टिकरण करें।

घर के आस-पास कूड़ा-कचरा, नारियल के खोल, खाली टायर आदि इकट्ठा न करें।

बुखार आने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में संपर्क करें और रक्त की जांच कराऐं।

मलेरिया होने पर संपूण उपचार लें।

सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में मलेरिया की जांच और उपचार निःशुल्क उपलब्ध है।

कृषि एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा आगामी 06 जून 2026 को ली जाने वाली एपीसी बैठक की पूर्व तैयारी के संबंध में आज कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में कृषि एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने रबी वर्ष 2025-26 के दौरान विभागों द्वारा किए गए कार्यो आगामी खरीफ वर्ष-2026 की तैयारियों एवं बैठक के बिन्दुओं पर विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने खरीफ-2026 के लिए उर्वरक एवं बीज की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने, किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराने तथा संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रति कृषकों को जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों पर विशेष जोर दिया।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने कृषि विज्ञान केन्द्र को सोयाबीन फसल के लिए ब्राड बेड फरों, नवीन किस्मों पर विडियो तैयार कर कृषको के बीच प्रचार-प्रसार एवं बीज प्रमाणीकरण का कार्य पूर्ण न होने से संबंधित अधिकारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये। साथ ही कृषि विभाग को खरीफ फसलों की बुवाई के लिए आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने, सोयाबीन की नवीन उन्नत किस्मों से प्रचलित पारंपरिक किस्मों से प्रतिस्थापन एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने संबंधी गतिविधियों को बढ़ाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने सहकारिता विभाग को समितियों के माध्यम से कृषकों को आवश्यक कृषि आदान सामग्री का सुचारू वितरण सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन विभाग को पशु स्वास्थ्य, कृत्रिम गर्भाधान एवं टीकाकरण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा दुग्ध उत्पादन एवं गुणवत्ता निश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मत्स्य पालन विभाग को मत्स्य संवर्धन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर कृषि विभाग, आत्मा परियोजना, उद्यानिक एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, सहकारिता विभाग, कृषि अभियांत्रिकी विभाग, दुग्ध उत्पादन विभाग, मंडी बोर्ड सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जाहिर सूचना

कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आदेश क्र. एस ओ 2900 (इ) दिनांक 24 अक्टूबर 2015 तथा 30 दिसम्बर 2017 को उसके संशोधन के अनुसार मेसर्स बालसन एग्रो पॉलीमर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सूचित करते है की वह दी गई विशेषताओं के अनुसार 100% में घुलनशील उर्वरक मिश्रण बेचना चाहती है: (1) एन पी के 16:08:24 कुल नाईटोजन 16%, कुल फास्फेट 08% कुल पोटाश 24%, (11) एन पी के 20:20:20 कुल नाईटोजन 20%, कुल फास्फेट 20% कुल पोटाश 20% (III) एन पी के 13:40:13 कुल नाईटोजन 13%, कुल फास्फेट 40% कुल पोटाश 13% (IV) एन पी के 19:19:19 कुल नाइटोजन 19% कुल फास्फेट 19%, कुल पोटाश 19% के अनुसार। उपरोक्त सभी ग्रेड में (ए) नमी प्रतिशत वजन के अनुसार अधिकतम : 0.5% (बी) कुल क्लोराइड प्रतिशत वजन के अनुसार अधिकतम 1.5% (सी) सोडियम NACL के रुप में प्रतिशत वजन के अनुसार अधिकतम 0.5% (डी) पानी में घुलनशील पदार्थ 0% वजन द्वारा अधिकतम 0.5% (ई) लैब (पानी के रुप में)% वजन द्वारा अधिकतम 0.003% (एफ) बेजानियम (सी डी) के रुप में 1% वजन द्वारा अधिकतम 0.0025% (जी) असैनिक (एएस के रुप में) वजन द्वारा अधिकतम 0.01%.

मेसर्स बालसन एग्रो पॉलीमर प्राइवेट लिमिटेड
71 एस.आर. कंपाउंड लासुडिया मोरी, देवास नाका, जिला- इंदौर - 452010

पीएम मित्रा पार्क युवाओं के भविष्य और क्षेत्र के विकास का बनेगा आधारः सावित्री ठाकुर

क्षेत्र को रेल सुविधा से जोड़ने की जरूरत, विकास की रफ्तार बढ़ेगी-पूर्व मंत्री दत्तीगांव

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से अग्रसर है। औद्योगिक एवं अधोसंरचनात्मक परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में रोजगार और निवेश की संभावनाएं निरंतर बढ़ रही हैं। पीएम मित्रा पार्क क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार और उज्ज्वल भविष्य का मजबूत आधार बनेगा।

यह बात केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने गुरुवार को ग्राम तिलगारा में पूर्व विधायक स्वर्गीय प्रेमसिंह दत्तीगांव की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पीएम मित्रा पार्क केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदलने वाला अभियान है। इसके माध्यम से हजारों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे, जिससे युवाओं को रोजगार के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। वस्त्र उद्योग सहित अनेक सहायक उद्योगों के विकास से स्थानीय व्यापार और अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने बदनावर क्षेत्र को रेल सुविधा से जोड़ने की पुरजोर मांग उठाई। उन्होंने कहा कि कृषि, व्यापार और औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के बावजूद बदनावर आज भी रेल संपर्क से वंचित है। रेल परियोजना क्षेत्र के विकास में ऐतिहासिक भूमिका निभाएगी तथा किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार से रेल परियोजना को प्राथमिकता देकर शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग की।

दत्तीगांव ने कहा कि तिलगारा में बनने वाला आईटीआई कॉलेज क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराएगा, जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सभी के सामूहिक प्रयासों पर बल दिया।

भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने स्वर्गीय प्रेमसिंह दत्तीगांव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे केवल जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता के सच्चे सेवक और विकास पुरुष थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सदैव जनहित को सर्वोपरि रखा और अनेक विकास कार्यों के माध्यम से क्षेत्र को नई पहचान दिलाई। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष सरदारसिंह मेड़ा, पूर्व राज्यमंत्री महेंद्रसिंह पिपलीपाड़ा, भाजपा नेता मोहनसिंह चौहान, नाथूलाल ढोल सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने भी संबोधित कर स्वर्गीय दत्तीगांव के योगदान को याद किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार, सुनील मोदी, अनामिका ठाकुर, मनोज सोलंकी कवि, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कुसुम सोलंकी, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश चौहान, भाजपा के सभी छह मंडलो के अध्यक्ष गोविंद रघुवंशी, संजय सिंह राठौर, मनीष गुर्जर, संतोष ढोलकिया, दिलीपसिंह सोलंकी व आशीष जैन, जनपद सदस्य कन्हैयालाल मुनिया आदि अतिथि रूप में मंचासीन थे।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच निर्मला लखन पाटीदार, उपसरपंच त्रिलोक रावत एवं पंचों ने अतिथियों का साफा बांधकर स्वागत किया। ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गोविंद रघुवंशी ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि कुलदीपसिंह पिपलीपाड़ा ने किया तथा आभार संजयसिंह राठौर ने माना।

15 करोड में तैयार होगा नवीन आईटीआई भव- मंचीय कार्यक्रम से पूर्व अतिथियों ने लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आईटीआई कॉलेज भवन का भूमिपूजन किया। इस परियोजना में छात्रावास एवं आवासीय क्वार्टरों का भी निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही ग्राम पंचायत तिलगारा के करीब 82 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया। इस अवर पर पौधारोपण भी किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

ईंट भट्टों से फैल रहे प्रदूषण व अतिक्रमण को लेकर सरपंच ने सौंपा ज्ञापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत जलोदखेता के राजस्व ग्राम नागझिरी मझरा मानपुरा में संचालित ईंट भट्टों से फैल रहे प्रदूषण एवं कथित अतिक्रमण के विरोध में ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बदनावर को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया गया कि कुछ ईंट भट्टा संचालकों द्वारा बिना आवश्यक अनुमति के कारखाने संचालित किए जा रहे हैं, जिससे आसपास के ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भट्टों से निकलने वाले धुएं और प्रदूषण का दुष्प्रभाव समीप स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस संबंध में पूर्व में भी शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सरपंच ने प्रशासन से मांग की है कि बच्चों के भविष्य एवं ग्रामीणों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अवैध रूप से संचालित ईंट भट्टों की जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर सरपंच ने प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की अपेक्षा व्यक्त की।

बोहरा समाज ने बीट द हिट कार्यक्रम के तहत राहगीरों को पिलाया ठंडा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बोहरा समाज प्रमुख सैयदना साहब के निर्देशानुसार बोहरा समाज द्वारा बीट द हीट कार्यक्रम के तहत आम लोगों को ठंडा पिलाया गया। आमिल मुल्ला मुर्तजा रतलाम वाले के सानिध्य में युवाओं द्वारा ग्लूकोस, आम पाना पिलाया गया। समाजजनों ने राहगीरों को रोककर, बस स्टैंड पर संचालित दुकानों पर पहुंचकर एवं बस स्टैंड पर आवागमन करने वाले बाइक सवारो को शीतल पेय पिलाया गया। बोहरा समाज की तोलाबा कमेटी के सदस्य मोईन शाकीर, काईद जोहर, मुफ्फदल, मोहम्मद दवाई नूरुद्दीन, शब्बर हुसैन, हुसैन सहित संस्था के सदस्यों व बोहरा समाज ने सेवाएं प्रदान की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर देवझिरीपण्डा में होगा पौधारोपण अभियान का शुभारंभ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 05 जून 2026 को जिले में वृहद पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 10ः00 बजे वन विभाग के कक्ष क्रमांक 408, ग्राम पंचायत देवझिरीपण्डा में आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया करेंगी। वन विभाग द्वारा इस अवसर पर 5000 पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा जनसहभागिता को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया जाएगा।

सेठ श्री सवारियां सेठ की भव्य भजन संध्या ने भक्तों को भाव विभोर कर दिया

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गौसेवा ग्रुप महिला मंडल द्वारा पाडल्या रोड स्थित गौपाल गौशाला पर सेठों के सेठ श्री सवारियां सेठ की भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गौपाल गौशाला के गौभक्त उपस्थित रहे। भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक श्री शीतल योगी ने अपने भजनों के माध्यम से भक्तों को भाव विभोर कर दिया।. भजन संध्या में श्रद्धालुओ ने देर रात तक भजनो का आनंद लिया । इस मौके पर सम्पूर्ण गौशाला प्रांगण सांवरिया सेठ के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर पंडित दीपक रावल ने धार्मिक प्रवचन एवं भक्ति के संदेश से गौसेवा के लाभ का महत्व बताया। भजन संध्या के पूर्व सांवरिया सेठ का मन मोहित श्रंगार भी किया गया । गोपाल गौशाला समिति ने आयोजन को सफल बनाने हेतु उपस्थित सभी भक्तों का आभार माना। यह जानकारी गौसेवक प्रकाश मालपानी ने दी।

कोटा- मंदसौर एक्सप्रेस को रतलाम-नागदा मार्ग से संचालित करने की मांग, यात्रियों को मिल सकती है बेहतर सुविधा

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे विशेष रुचि समिति के पूर्व सदस्य राजेश सकलेचा एवं समाजसेवी दीपक जैन ने रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 19816/19815 कोटा-मंदसौर-कोटा एक्सप्रेस का संचालन मंदसौर-जावरा-रतलाम-नागदा-आलोट-चौमहला-कोटा मार्ग पर राउण्ड ट्रिप स्वरूप में करने की मांग की है। उनका कहना है कि इस प्रस्ताव के क्रियान्वयन से क्षेत्र के यात्रियों को अधिक सुविधाजनक रेल सेवा का लाभ मिल सकता है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह ट्रेन कोटा से प्रातः 5ः45 बजे रवाना होकर लगभग 11ः00 बजे मंदसौर पहुंचती है तथा दोपहर 12ः00 बजे पुनः कोटा के लिए रवाना होकर शाम 5ः00 बजे कोटा पहुंच जाती है। उपलब्ध समय एवं रैक व्यवस्था को देखते हुए ट्रेन का रतलाम-नागदा मार्ग से संचालन व्यवहारिक विकल्प हो सकता है।

सकलेचा एवं जैन ने कहा कि नागदा-मंदसौर रेलखंड पर यात्रियों के लिए सीधी रेल सेवाओं के विकल्प सीमित हैं। ऐसे में यात्रियों को कई बार रतलाम होकर यात्रा करनी पड़ती है अथवा ट्रेन बदलने की आवश्यकता होती है। यदि कोटा-मंदसौर एक्सप्रेस को रतलाम एवं नागदा होकर संचालित किया जाता है तो मंदसौर, जावरा, रतलाम, नागदा, आलोट, चौमहला, शामगढ़, भवानीमंडी एवं रामगंजमंडी सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को सुविधा मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों एवं अन्य यात्रियों को आवागमन के बेहतर विकल्प उपलब्ध हो सकते हैं। साथ ही क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होने से व्यापार, शिक्षा एवं पर्यटन गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिल सकता है।

सकलेचा एवं जैन ने क्षेत्र के सांसदों, जनप्रतिनिधियों एवं पश्चिम रेलवे प्रशासन से मांग की है कि जनहित एवं यात्री सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार किया जाए, ताकि क्षेत्र के यात्रियों को अधिक सुलभ एवं सुविधाजनक रेल सेवा उपलब्ध हो सके।

समान नागरिक संहिता विषय पर जनपरामर्श बैठक 7 जून को झाबुआ में आयोजित होगी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा जनसुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से जनपरामर्श बैठक का आयोजन 07 जून 2026 को पूर्वान्ह 11ः00 बजे कृषक सभागृह, कृषि विज्ञान केन्द्र, राजगढ़ नाका, झाबुआ में किया जाएगा। बैठक में उच्च स्तरीय समिति की सदस्य एवं शिक्षाविद् डॉ. शोभा पैठणकर उपस्थित रहकर विभिन्न वर्गों से सुझाव एवं विचार प्राप्त करेंगी। जनपरामर्श का उद्देश्य समान नागरिक संहिता के संबंध में समाज के विभिन्न वर्गों की राय एवं सुझावों का संकलन करना है, जिससे समिति को अपने अध्ययन एवं परीक्षण कार्य में सहायता मिल सके। यह जनपरामर्श बैठक एक खुला मंच (ओपन प्लेटफॉर्म) होगी, जिसमें जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), शांति समिति के सदस्य, अधिवक्तागण, पत्रकार बंधु, शिक्षाविद् तथा आम नागरिक सहभागिता कर सकेंगे। इच्छुक नागरिक बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं विचार प्रस्तुत कर सकते हैं।

घायल श्रमिक को उद्योग प्रबंधन द्वारा 1 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा स्थित लेंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में हाल ही में रखरखाव कार्य के दौरान हुई दुर्घटना में घायल हुए संविदा श्रमिक को उद्योग प्रबंधन द्वारा मानवीय संवेदनाओं के तहत आर्थिक सहायता के रूप में ?1 लाख की राशि उपलब्ध कराई गई है।

उल्लेखनीय है कि संयंत्र परिसर में बूम लिफ्ट के माध्यम से नियमित रखरखाव कार्य के दौरान तकनीकी खराबी के कारण दो संविदा श्रमिक लगभग चार मीटर की ऊंचाई से नीचे गिर गए थे। दुर्घटना के तुरंत बाद उद्योग प्रबंधन द्वारा दोनों श्रमिकों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। एक श्रमिक का उपचार जनसेवा अस्पताल में कराकर उन्हें स्वस्थ होने पर छुट्टी दे दी गई, जबकि दूसरे श्रमिक को बेहतर उपचार हेतु पहले उज्जैन एवं बाद में इंदौर के विशेषज्ञ अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

चिकित्सकीय जांच में घायल श्रमिक को गंभीर चोट के उपचार के लिए चिकित्सकों द्वारा आवश्यक शल्य चिकित्सा (माइनर सर्जरी) भी की गई। श्रमिक का उपचार उसकी निजी बीमा पॉलिसी के अंतर्गत कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उपचार एवं अन्य आवश्यक खर्चों में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से उद्योग प्रबंधन ने संबंधित ठेकेदार के माध्यम से 1 लाख की आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराई है।

उद्योग प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि घायल श्रमिक के पूर्ण स्वास्थ्य लाभ तक हरसंभव सहयोग जारी रखा जाएगा। उद्योग प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि रखरखाव कार्य के दौरान उपयोग में लाई जा रही बूम लिफ्ट आधुनिक सुरक्षा तकनीकों से युक्त थी। उक्त लिफ्ट में श्रमिक सुरक्षा युक्त केज (प्लेटफॉर्म) के भीतर खड़े होकर कार्य करते हैं। तकनीकी खराबी के कारण प्लेटफॉर्म नीचे आया, किंतु श्रमिक सीधे ऊंचाई से जमीन पर नहीं गिरे थे। सुरक्षा केज एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं के कारण दुर्घटना का प्रभाव अपेक्षाकृत सीमित रहा तथा संभावित गंभीर नुकसान को काफी हद तक रोका जा सका।

प्रबंधन के अनुसार बूम लिफ्ट में उपलब्ध सुरक्षा सुविधाओं एवं मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन से श्रमिकों को अतिरिक्त सुरक्षा प्राप्त हुई। घटना के बाद तत्काल राहत एवं चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तकनीकी जांच एवं आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रबंधन ने कहा कि कर्मचारियों एवं श्रमिकों की सुरक्षा संस्था की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा घायल श्रमिक एवं उनके परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना संस्था की जिम्मेदारी है। उद्योग प्रबंधन उपचार, पुनर्वास एवं अन्य आवश्यक सहयोग के लिए निरंतर परिवार के संपर्क में है।

- सुनील कुमार गुलाटी, यूनिट मैन्युफैक्चरिंग हेड, लेंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नागदा

निवाली क्षेत्र में अवैध नलकूप खनन पर कार्रवाई

बड़वानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार अवैध जलदोहन और बिना अनुमति नलकूप खनन के खिलाफ प्रशासन द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में तहसील निवाली के ग्राम बोरली में अवैध नलकूप खनन की शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की गई है। ग्राम बोरली में अवैध नलकूप खनन की शिकायत पर नायब तहसीलदार निवाली श्रीमती अर्चना गिरवाल द्वारा प्रात 9 बजे मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम बोरली के बालू पिता हरसिंह भाबर निवासी भाबरिया फलिया की निजी भूमि है, पर अवैध रूप से नलकूप खनन कार्य करते हुए पाया गया। मौके पर मौजूद बोरवेल गाड़ी क्रमांक जीजे 03 सीएल 9090 एवं जीजे 03 ईए 9638 के चालकों रमेश पिता रुखडिया एवं तुकाराम पिता गुल सिंह से जब नलकूप खनन से संबंधित वैध अनुमति व दस्तावेज मांगे गए, तो उनके द्वारा कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। वैध परमिशन न होने के कारण दोनों बोरवेल गाड़ियों को तत्काल प्रभाव से जब्त कर लिया गया है। जब्तशुदा वाहनों को सुरक्षित अभिरक्षा हेतु ग्रामीण थाना सेंधवा के सुपुर्द कर दिया गया है।

सुबेदार जगदीश यादव को केएफ रुस्तमजी पुरस्कार 2024

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के लिए गौरव की खबर गृह विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रदेश पुलिस के प्रतिष्ठित केएफ रुस्तमजी पुरस्कार 2024 के लिए जिला पुलिस के सुबेदार जगदीश यादव का चयन विशिष्ट श्रेणी में किया गया है।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2023-24 के लिए सुबेदार जगदीश यादव को 50 हजार रुपये की राशि और प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

सेवाकाल में उत्कृष्ट योगदान - सुबेदार यादव ने अपने सेवाकाल में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, प्रशिक्षण गतिविधियों, कानून-व्यवस्था संधारण और विभागीय दायित्वों के निर्वहन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके इसी समर्पण और कार्यक्षमता को देखते हुए यह सम्मान दिया गया है।

अधिकारियों ने दी बधाई - उपलब्धि पर एसपी दिलीपकुमार सोनी, एएसपी रवींद्रकुमार बोयट सहित जिला पुलिस के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुबेदार यादव को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

केएफ रुस्तमजी पुरस्कार के बारे में - यह पुरस्कार मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों और अधिकारियों को वीरता, उत्कृष्ट सेवा और कर्तव्यपरायणता के लिए गृह विभाग द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाता है। इसे प्रदेश पुलिस का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है।

पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

झाबुआ / दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के सफल एवं प्रभावी संचालन हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन प्रशिक्षण केन्द्र बाढ़कुआ, जिला झाबुआ में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल की अध्यक्षता में किया गया। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन जिले में 28, 29 एवं 30 जून 2026 को किया जाएगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ब्।ह) के एसएमओ डॉ. अभिषेक बछोतिया द्वारा प्रशिक्षण सत्र में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक प्रदान करने, उच्च जोखिम क्षेत्रों की पहचान, माइक्रोप्लानिंग, टीम प्रबंधन, मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने अभियान के दौरान प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित करने तथा किसी भी बच्चे को खुराक से वंचित न रहने देने पर विशेष जोर दिया।

स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की समन्वय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण नियंत्रण, संस्थागत प्रसव, आयुष्मान कार्ड, आंगनवाड़ी संचालन तथा विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि जिले में एएनसी पंजीयन का प्रतिशत 76.09 है, जबकि प्रथम ट्राइमेस्टर में पंजीयन का प्रतिशत 93 है। कुल 21,449 एएनसी पंजीयन में से 18,480 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क श्रेणी में चिन्हांकित किया गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का प्रबंधन प्रथम ट्राइमेस्टर में पंजीयन के साथ ही प्रारंभ किया जाए। उन्होंने एएनसी जांचों को व्यवस्थित करने, आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने, सामुदायिक सहयोग लेने तथा गर्भवती महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों के माध्यम से पोषण सुधार हेतु विशेष प्रयास करने को भी कहा गया।

मॉडरेट एनीमिया के कारण हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन में केवल 44 प्रतिशत उपलब्धि पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की तथा 50 प्रतिशत से कम उपलब्धि वाले बीएमओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के फॉलोअप में निर्धारित तीन मासिक विजिटों की कम प्रगति पर भी असंतोष व्यक्त करते हुए समयबद्ध रूप से सभी विजिट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में पोषण पुनर्वास केन्द्रों (एनआरसी) की समीक्षा के दौरान 91 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी को शत-प्रतिशत तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से मेघनगर में 66 प्रतिशत, थांदला में 68 प्रतिशत तथा झाबुआ में 76 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी में सुधार लाने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि एनआरसी में शत-प्रतिशत ऑक्यूपेंसी सुनिश्चित करने की संयुक्त जिम्मेदारी बीएमओ एवं सीडीपीओ की होगी।

बैठक में मातृ मृत्यु, शिशु मृत्यु, जननी सुरक्षा योजना तथा प्रसूति सहायता योजनाओं के अंतर्गत भुगतान की भी समीक्षा की गई। सर्पदंश उपचार की तैयारियों के अंतर्गत जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल पेटलावद एवं थांदला सहित 8 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा 13 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में एंटीवेनम इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने की जानकारी दी गई।

अपना घर वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा बनाई गई नालसा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवा योजना विषय पर वृद्धजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आगर मालवा के द्वारा गुरुवार को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । उक्त शिविर में मुख्य अतिथि द्वितीय जिला न्यायाधीश आगर मालवा मधुसूदन जंघेल ने वृद्धजन के खान पान, स्वास्थ्य से संबंधित बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए नालसा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवा योजना एवं वरिष्ठ नागरिकों, माता पिता भरण पोषण कल्याण अधिनियम 2007 के प्रावधानों की जानकारी दी। इस अवसर पर वृद्धजनों की समस्याएं सुनी जाकर उचित परामर्श भी दिया गया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी फारूक अहमद सिद्दीकी ने भी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित लीगल एड क्लिनिक योजना के बारे में जानकारी देकर वृद्धाश्रम में संचालित लीगल एड क्लिनिक में नियुक्त पैरा लीगल वालेंटियर्स की सहायता से शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम संचालिका मीना जंयत सहित अन्य बुजुर्ग महिला एवं पुरुष, स्टाफ मौजूद रहा।

युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले में 109 आवेदकों का प्रारंभिक चयन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की मंशानुसार एवं कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई, जिला उद्योग केंद्र एवं म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत शाजापुर द्वारा युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन आज प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस बी.के.एस.एन. गवर्मेंट कॉलेज शाजापुर में किया गया। जिसमें 156 आवेदकों ने भाग लेकर साक्षात्कार दिया।

मेले का शुभारम्भ जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री विपुल कसेरा द्वारा सरस्वती पूजन कर एवं फिता काटकर कर किया गया, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष द्वारा मेले में उपस्थित युवाओ का उत्सावर्धन करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ उठाने का आव्हान किया गया। साथ ही समस्त नियोजको के काउंटर पर जाकर रोजगार स्वरोजगार अप्रेंटिस की जानकारी ली गई।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम में आमंत्रित निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित नियोजकों ने भाग लिया। जिसमें कृषि दर्पण एग्रो इन्दौर, प्रतिभा स्वराज उज्जैन, यशस्वी अकेडमी फॉर स्कील देवास, एम.के.सी. आयशर देवास, आम फाउंडेशन इंडिया फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी अकादमी नई दिल्ली, स्वतंत्र माईक्रोफिन भोपाल एलपीएल बीएबल फाउंडेशन इन्दौर, वेस्टीज कोटा, भारतीय जीवन बीमा निगम शाजापुर, एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस शाजापुर एच.डी.एफसी. शाजापुर आदि कंपनियों के द्वारा विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार लेकर 109 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया। साथ ही जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द शाजापुर द्वारा 07 औद्यौगिक प्रशिक्षण संस्था शाजापुर द्वारा 15 एवं आरसेटी शाजापुर द्वारा 23 आवेदको का स्वरोजगार एवं प्रशिक्षण के लिए चयन किया गया। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 27 आवेदको का हेल्थ चेकप किया गया एवं श्रम विभाग द्वारा श्रम से सबंधित जानकारी प्रदान की गई। साथ ही आवेदको को मनोवैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ के द्वारा केरियर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इस अवसर पर प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी एवं प्राचार्य आईटीआई श्री राजाराम कटारिया, प्राचार्य डॉ. एस.के. तिवारी, डॉ. आर.सी. चौहान, रोजगार विभाग से श्री बी.एल गुवाटिया, ग्रामीण आजीविका मिशन जिला प्रबंधक श्री बलवंत शितोले, श्री मनोज जोशी, श्री राजेश पाण्डे, डॉ वी.पी. मीणा, डॉ. दिनेश कुमार निंगवाल, डॉ. बी.के. सोलंकी, डॉ. बीएल मालवीय, डॉ. सुनील आडवानी, जिला व्यापार उद्योग केन्द्र श्री अशोक कुमार राठौर, औद्यौगिक प्रशिक्षण संस्था श्री दीपक कटारिया, श्रम अधिकारी श्री आर.एस. प्रजापति, निदेशक आरसेटी श्री सत्यीवीरसिंह चौहान, श्री सुमित खत्री, श्री जितेन्द्र कुमार विश्वकर्मा, श्री महेश मालवीय, स्वास्थ्य विभाग, डॉ इशा सोनी, रचना वर्मा, सुश्री रितु मेवाडा, काउंसलर श्री मयंक श्रीवास्तव, श्री राजेन्द्रसिंह राठौर, श्री देवनारायण मालवीय, श्री जितेन्द्र शर्मा, श्री राकेश फुलेरिया, श्री कमल जाधव आदि उपस्थित थे।

आरोह 2026 : खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक किया जूम्बा डांस

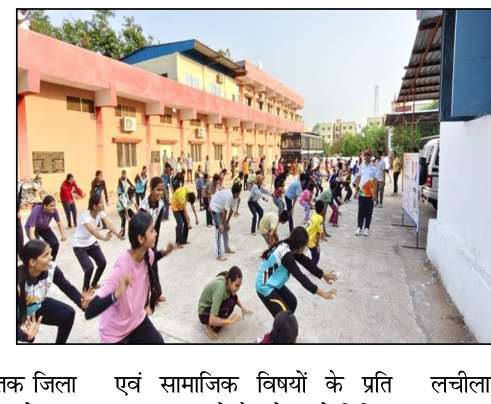

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पुलिस विभाग, आदिवासी विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा विभिन्न खेल संघों के सहयोग से आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह-2026 का आयोजन 15 मई से 15 जून 2026 तक जिला एवं विकासखंड मुख्यालयों पर किया जा रहा है। शिविर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है।

शिविर के अंतर्गत विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि विकसित करने, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान एवं प्रोफाइलिंग, व्यक्तित्व एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करने तथा युवाओं को नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

जिला खेल अधिकारी श्री विजय कुमार सलाम ने बताया कि इसी क्रम में 03 जून 2026 को पुलिस लाइन झाबुआ में शिविर के प्रतिभागी खिलाड़ियों के लिए संस्कृति एवं मनोरंजन गतिविधि के अंतर्गत जूम्बा डांस सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री मुकेश बुन्देला द्वारा खिलाड़ियों को जूम्बा डांस का प्रशिक्षण दिया गया। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ सहभागिता करते हुए डांस की विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया।

उन्होंने बताया कि जूम्बा डांस न केवल मनोरंजन का प्रभावी माध्यम है, बल्कि इससे शरीर की फिटनेस, लचीलापन एवं ताजगी बनी रहती है तथा मानसिक उत्साह में भी वृद्धि होती है। इस गतिविधि के माध्यम से खिलाड़ियों को खेलों के साथ-साथ संस्कृति एवं मनोरंजन से जुड़ी विधाओं की भी जानकारी प्राप्त हुई।

कार्यक्रम में पुरोहित, हैंडबॉल प्रशिक्षक श्री अवलोक शर्मा, एथलेटिक्स प्रशिक्षक सुश्री शिफाली मसीह, तीरंदाजी प्रशिक्षक श्री जयन्तीलाल परमार, श्री जेवेन्द्र बोराडे, खो-खो प्रशिक्षक सुश्री रजनी पाल सहित बड़ी संख्या में बालक एवं बालिका खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रसंस्करण से समृद्धि- उद्यमियों से हर्बल औषधियों की यूनिट लगाने का आह्वान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड तथा जिला स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक बुधवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव (द्धस्) की अध्यक्षता में आयोजित की गई ।

प्रसंस्करण इकाई लगाने का आह्वान~ सीईओ श्री वैष्णव ने उद्यमियों से कहा कि नीमच जिले की कृषि उपज मंडी हर्बल औषधियों एवं अन्य जिन्सों के मामले में प्रदेश की सबसे बड़ी मंडी है। अधिकांश उत्पादों का प्रसंस्करण किए बिना ही सीधे देश-विदेश में विक्रय होने से जिले के उत्पादों एवं व्यापारियों को अपेक्षित मूल्य प्राप्त नहीं होता। उन्होंने उद्यमियों से आगे आकर हर्बल/औषधियों के प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने का आह्वान किया। निवेशकों को स्स्स्ध प्रोत्साहन योजना एवं अन्य विभागीय योजनाओं के माध्यम से हैण्डहोल्डिंग सपोर्ट एवं वित्तीय प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

नवीन औद्योगिक क्षेत्रों का विकास~ बैठक में बताया गया कि एमपीआईडीसी द्वारा ग्राम चीताखेड़ा (जीरन) में नवीन औद्योगिक क्षेत्र का अधोसंरचना विकास कार्य प्रगतिरत है। स्स्स्ध विभाग से ग्राम सगराना तहसील नीमच नगर में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्वीकृति मिल चुकी है। आगामी समय में इन औद्योगिक क्षेत्रों के विकसित होने पर 400 औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध होंगे, जिससे जिले के युवाओं को रोजगार सृजित होंगे।

योजनाओं की दी जानकारी~ महाप्रबंधक उद्योग विभाग ने जिले के समग्र औद्योगिक विकास हेतु स्स्स्ध इकाईयों के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम विभाग एवं मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं एवं औद्योगिक भूमि आवंटन संबंधी जानकारी दी गई। क्क्स्स्ध योजना अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन मिल रहा है।

अधिकारी-उद्यमी रहे मौजूद~ सीईओ ने उद्यमियों की सभी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया तथा संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में महाप्रबंधक उद्योग विभाग श्रीमती योगिता भटनागर, श्री अमित सोनी, सब इंजीनियर एमपीआईडीसी तथा मंडी सचिव, श्रम विभाग आदी।

मनासा से बही पार्श्‍वनाथ तीर्थ की ओर विहाररत मुनिश्री प्रणम्यसागर महाराज का पिपलिया मंडी में भव्य मंगल प्रवेश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य प्रणम्य सागर महाराज का गुरुवार को पिपलियामंडी नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मुनि श्री का मनासा से विहार करते हुए श्री बही पार्श्‍वनाथ तीर्थ की ओर प्रस्थान हुआ। उनके नगर आगमन पर संपूर्ण दिगंबर जैन समाज एवं धर्मप्रेमी नागरिकों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ स्वागत किया। दिगंबर जैन समाज के संदीप गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि मुनिश्री के आगमन की सूचना मिलते ही समाजजनों में उत्साह का वातावरण बन गया था। प्रातः से ही श्रद्धालु नगर सीमा पर एकत्रित होने लगे थे। जैसे ही मुनि श्री ससंघ का नगर में प्रवेश हुआ, श्रद्धालुओं ने जयकारों से उनका अभिनंदन किया। गुरुवर की जय-जयकार एवं प्रणम्य सागर महाराज की जय के उद्घोषों से संपूर्ण वातावरण धर्ममय हो उठा।

मुनिश्री के मंगल प्रवेश अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुए। नगर के विभिन्न मार्गों एवं प्रमुख स्थानों पर समाजजनों को मुनि श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्रद्धालुओं ने आरती एवं मंगलाचरण के साथ गुरुवर का अभिनंदन किया तथा धर्म लाभ अर्जित किया। नगर आगमन के उपरांत आयोजित धर्मसभा में मुनि प्रणम्यसागर महाराज ने अपने प्रवचनों में कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में आत्मिक शांति से दूर होता जा रहा है। जीवन में यदि वास्तविक सुख और शांति प्राप्त करनी है तो संयम, ध्यान और धर्म को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तीर्थ वंदना, स्वाध्याय और आत्मचिंतन मनुष्य के जीवन को नई दिशा प्रदान करते हैं तथा आत्मा की शुद्धि का मार्ग प्रशस्त करते हैं। मुनिश्री ने कहा कि क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे कषायों का त्याग कर सदाचार एवं धर्ममय जीवन अपनाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से भी आह्वान किया कि वे भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक मूल्यों को आत्मसात करें और अपने जीवन को सार्थक बनाएं। धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरुवर की अमृतवाणी व उनके संदेशों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। मुनिश्री के दर्शन एवं प्रवचन सुनने के लिए पिपलिया मंडी के अलावा आसपास के अनेक गांवों और कस्बों से भी बड़ी संख्या में जैन एवं अजैन श्रद्धालु पहुंचे। अल्प प्रवास एवं धर्म प्रभावना के पश्चात मुनि श्री ससंघ ने अपने अगले गंतव्य बही पार्श्‍वनाथ तीर्थ के लिए मंगल विहार किया। विहार के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु नगर सीमा तक उनके साथ चले और भावभीनी विदाई दी। उल्लेखनीय है कि श्री बही पार्श्‍वनाथ तीर्थ जैन समाज का एक प्राचीन एवं चमत्कारिक अतिशय क्षेत्र माना जाता है, जहां भगवान पार्श्‍वनाथ की प्राचीन एवं आकर्षक प्रतिमा विराजमान है।

अवैध उर्वरक गतिविधियों की रोकथाम हेतु सूचना दाता प्रोत्साहन योजना लागू

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध उर्वरकों के भण्डारण, विक्रय, कालाबाजारी, नकली एवं मिलावटी उर्वरकों के निर्माण तथा अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए शासन द्वारा सूचना दाता प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। यह योजना 20 मई 2026 से 30 सितम्बर 2026 तक प्रभावी रहेगी।

योजना का उद्देश्य उर्वरकों की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, नकली एवं मिलावटी उर्वरकों के निर्माण एवं वितरण पर रोक लगाना तथा किसानों के हितों की रक्षा करना है।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री एन.एस. रावत ने बताया कि कोई भी नागरिक, किसान अथवा व्यापारी अवैध उर्वरक भण्डारण, बिना लाइसेंस उर्वरक विक्रय, निर्धारित सीमा से अधिक भण्डारण, अधिक मूल्य पर विक्रय (कालाबाजारी), नकली एवं मिलावटी उर्वरकों के निर्माण एवं विक्रय, अनुदानित उर्वरकों के औद्योगिक उपयोग तथा अनाधिकृत उर्वरक परिवहन जैसी गतिविधियों की सूचना दे सकता है।

प्राप्त सूचना सत्य एवं उपयोगी पाए जाने तथा उसके आधार पर सफल कार्यवाही होने पर सूचना दाता को प्रति सूचना 1,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि कलेक्टर की स्वीकृति के उपरांत सूचना दाता के बैंक खाते में 30 कार्य दिवस के भीतर जमा कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि सूचना दाता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी तथा किसी भी स्थिति में उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। अवैध उर्वरक गतिविधियों से संबंधित सूचना सीएम किसान हेल्पलाइन नंबर 155253 पर दी जा सकती है। सूचना सत्य पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

संगठन की मजबूती और आगामी रणनीति पर मंथन

कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक संपन्न, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के समक्ष नेताओं ने रखे संगठन और क्षेत्रीय मुद्दे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान मंगलवार शाम मनासा रोड स्थित होटल मंगलम में जिला कांग्रेस समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, संगठन पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और जिले की राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सामूहिक रूप से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ताकत उसकी एकजुटता और जनता से जुड़ाव में निहित है। कार्यकर्ताओं को जनता के मुद्दों पर सक्रिय रहकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी ने कहा कि कांग्रेस का प्रशिक्षण अभियान केवल वैचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन को नई दिशा देने का प्रयास है। उन्होंने पदाधिकारियों से संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और नियमित संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही संगठन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने जिले में कांग्रेस को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने पर जोर दिया। बैठक के दौरान जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के समक्ष अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े संगठनात्मक सुझाव, स्थानीय समस्याएं और कार्यकर्ताओं की अपेक्षाएं रखीं। नेताओं ने संगठन को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न सुझाव भी दिए। बैठक में आगामी कार्यक्रमों, सदस्यता विस्तार, बूथ सशक्तिकरण और संगठनात्मक समन्वय को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया, अजीत कांठेड़, अरविंद चौपड़ा, संगठन मंत्री ब्रजेश मित्तल, पूर्व विधायक डॉ. संपत स्वरूप जाजू, कांग्रेस नेत्री मधु बंसल, कांग्रेस नेता समंदर पटेल, सत्यनारायण पाटीदार, आर. अगर कछावा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनमोहन सिंह (मन्नू बना), महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशा सांभर, कांग्रेस नेता चंद्रशेखर पालीवाल, योगेश प्रजापति, रणजीतसिंह बबली तंवर, हिदायतुल्ला खान सहित जिलेभर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक को कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें प्रशिक्षण शिविर के साथ-साथ संगठन की जमीनी मजबूती और भविष्य की रणनीति पर भी व्यापक चर्चा की गई।

नवागत एसपी श्री यादव के निर्देशन में कनेरा थाना द्वारा दो कार्यवाहियों में 24 किलो 770 ग्राम अवैध अफीम जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार कनेरा क्षेत्र में तस्करों में हड़कंप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थो की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत थाना कनेरा की पुलिस ने सुखानंद धाम के समीप स्थित ग्राम बांघेड़ाघाटा में दो अलग-अलग कार्यवाही करते हुए कुल 24 किलो 770 ग्राम अवैध अफीम बरामद की है । पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस प्रकार नवागत एसपी श्री यादव के आने के बाद तीन दिनों में धमाकेदार कार्रवाई हुई है । इससे तस्करों में हड़कंप एवं अफरातफरी मची हुई है । एसपी यादव ने हाल ही में खाप पंचायतों और नात्रा प्रथा बिना लाइसेंस ब्याज पर पैसा देने वालो अफिम सेवन करने एवं तस्करी पर हर हाल में लगाम लगाने के निर्देश गत दिवस हुई जिला पुलिस अधिकारियों की बैठक में स्पष्ट निर्देश एसपी यादव द्वारा दिए गए हैं ज्ञात रहे श्री यादव भीलवाड़ा में अपने कार्यकाल में ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज, उदयपुर श्री गौरव श्रीवास्तव के निर्देशानुसार मादक पदार्थो के भंडारण एवं परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत एएसपी मुकुल शर्मा एवं डीएसपी निंबाहेड़ा बद्रीलाल के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी कनेरा महेन्द्र सिंह के निर्देशन मे जिला विशेष शाखा चित्तौडगढ़ व डॉग स्क्रायड उदयपुर के सहयोग से टीम के ईन्चार्ज एसआई रामलाल मीणा के नेतृत्व पुलिस थाना कनेरा की टीम द्वारा प्रथम कार्यवाही करते हुए, सुखानंद धाम के समीप स्थित ग्राम बांगेडा में कैलाश उर्फ मानमल उर्फ मानालाल पिता श्रीलाल धाकड निवासी बांगेडा घाटा के रिहायसी मकान की तलाशी के दौरान तीन अलग अलग स्टील के टिफिनों मे रखी प्लास्टीक की कुल सात थैलियों मे भरी हुई कुल 16 किलो 170 ग्राम अवैध अफीम जब्त की गई।

इसी प्रकार एसआई कन्हैयालाल की टीम के द्वारा द्वितीय कार्यवाही करते हुऐ ग्राम बागेडा मे डालचन्द पिता बोतलाल जाति धाकड उम्र 41 साल निवासी बस स्टैण्ड के पास बांघेडाघाटा थाना कनेरा के रिहायसी मकान की तलाशी के दौरान एक नीले रंग के प्लास्टीक के ड्रम मे रखी प्लास्टीक की कुल चार थैलियो में भरी हुई कुल 8 किलो 600 ग्राम अवैध अफीम जब्त की जाकर मकान मालिक डालचन्द पिता बोतलाल जाति धाकड़ बांघेडाघाटा थाना कनेरा को गिरफतार किया गया है । दोनों प्रकरणों का अनुसंधान किया जा रहा है।

प्रथम कार्यवाही कुल 3 स्टील के टिफिनों में रखी कुल 7 प्लास्टीक की थैलियों में भरी हुई कुल 16 किलो 170 ग्राम अवैध अफीम

द्वितीय कार्यवाही एक प्लास्टीक के नीले रंग के ड्रम में कुल चार प्लास्टीक की थैलियों मे भरी हुई कुल किलो 600 ग्राम अवैध अफीम।

गिरफतार आरोपी डालचन्द पिता बोतलाल जाति धाकड उम्र 41 साल निवासी बांघेडाघाटा थाना कनेरा।

कार्यवाही करने वाली पुलिस टीमः- एसआई रामलाल , कन्हैया लाल, एएसआई बालमुकुन्द, प्रकाश चन्द्र, कानि.-रामनिवास, वासुदेव, अनिलकुमार , रेंवताराम, सुनिल, सुरेश, महिला कानि.ज्योति , सरला, जिला विशेष शाखा की टीम, डॉग स्कवायड टीम उदयपुर।

पीएम राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निजी अस्पतालों की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार जिले में प्रधानमंत्री राहत (सड़क दुर्घटना पीड़ितों का कैशलेस उपचार) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में निजी अस्पतालों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के निजी अस्पताल संचालकों एवं संबंधित अधिकारियों ने सहभागिता की।

बैठक में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने बताया कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम राहत योजना 13 फरवरी 2026 से देशभर में लागू है। योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना के प्रत्येक पात्र पीड़ित को दुर्घटना की तिथि से 7 दिनों की अवधि तक प्रति व्यक्ति अधिकतम 1 लाख 50 हजार रुपये तक का कैशलेस उपचार शासकीय एवं चिन्हित निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाता है।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने निर्देश दिए कि जिले के समस्त निजी अस्पताल योजना के अंतर्गत अनिवार्य रूप से एम्पैनल हों तथा सड़क दुर्घटना में घायल किसी भी मरीज को उपचार देने से इंकार न करें। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के मामलों में गोल्डन ऑवर अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, इसलिए सभी अस्पताल प्राथमिकता के आधार पर तत्काल उपचार सुनिश्चित करें, जिससे गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों का जीवन बचाया जा सके।

कलेक्टर ने अस्पताल संचालकों को निर्देशित किया कि वे योजना के अंतर्गत टीएमएस (ञ्च्स्) पोर्टल पर पंजीयन एवं आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण करें तथा पात्र मरीजों को प्रदान किए गए निःशुल्क उपचार का क्लेम समय पर प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि योजना के क्रियान्वयन एवं तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु जिला स्तरीय टीम द्वारा आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि योजना के अंतर्गत किसी भी श्रेणी की सड़क पर हुई दुर्घटना के प्रत्येक पात्र पीड़ित को दुर्घटना की तिथि से 7 दिनों की अवधि तक प्रति व्यक्ति 1 लाख 50 हजार रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। जीवन को खतरे में नहीं डालने वाले मामलों में अधिकतम 24 घंटे तक तथा जीवन के लिए घातक मामलों में अधिकतम 48 घंटे तक स्टेबलाइजेशन उपचार प्रदान किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि सड़क दुर्घटना पीड़ित, राहगीर अथवा दुर्घटना स्थल पर उपस्थित कोई भी व्यक्ति 112 डायल कर निकटतम नामित अस्पताल की जानकारी प्राप्त कर सकता है तथा एम्बुलेंस सहायता भी ले सकता है। योजना का उद्देश्य वित्तीय कारणों से किसी भी दुर्घटना पीड़ित को जीवनरक्षक उपचार से वंचित न होने देना तथा सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम करना है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी एस बघेल, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री वर्षा चौहान, सहायक संचालक श्री बालूसिंह सस्तिया, डॉक्टर्स, अस्पताल संचालक एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग पेटलावद द्वारा ग्राम तलावपाड़ा, रायपुरिया से अवैध शराब जप्त की

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता इंदौर संभाग इंदौर श्री इंदरसिंह जामोद द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के परिपालन में मदिरा संग्रहण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध जिला आबकारी अधिकारी झाबुआ श्रीमती बसंती भूरिया के निर्देशन में कार्यवाही की गई।

आज 04 जून 2026 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम रायपुरिया में मुखबिर द्वारा बताये स्थान में पहुंच कर मकान की विधिवत तलाशी लेने पर विदेशी मदिरा लेमाउण्ट कैन बीयर 12 पेटी, देशी मदिरा प्लेन 01 पेटी कुल-13 पेटी (कुल-153 बल्क लीटर) विधिवत जप्त कर कब्जे आबकारी लेकर मौके से फरार आरोपी अमरसिंह पिता गलिया डामोर, निवासी तलावपाड़ा रायपुरिया के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जप्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य राशि 44120/- रूपये होना पाया।

उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती सोनाली बेंजामिन के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक श्री योगेश कुमार दामा द्वारा की गई व आबकारी स्टाफ आबकारी उपनिरीक्षक श्री प्रेमसिंह परमार, प्रधान आरक्षक कांतु डामोर, आबकारी आरक्षक श्री कुंवरसिंह डावर, श्री पंकज डोडियार, वाहन चालक श्री दयाल मड़ोदिया का उल्लेखनीय योगदान रहा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मंगलनाथ मंदिर में एक ही दिन में 3 लाख 63 हजार की आय

1750 भात पूजन रसीदें कटीं, दिव्यांग और बुजुर्ग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मिली दो व्हीलचेयर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलनाथ मंदिर में मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भात पूजन और दर्शन व्यवस्था के माध्यम से मंदिर प्रबंध समिति को एक ही दिन में 3 लाख 63 हजार रुपए की आय प्राप्त हुई। वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए माहेश्वरी मेवाड़ा पंचायत महिला मंडल ने मंदिर समिति को दो व्हीलचेयर भेंट कीं।

मंदिर प्रशासक केके पाठक ने बताया कि जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंध समिति द्वारा भात पूजन के लिए ऑनलाइन एवं रसीद काउंटर की व्यवस्था की गई है। मंगलवार को कुल 1750 कंप्यूटरीकृत और मैन्युअल शासकीय रसीदें जारी की गईं, जिनसे मंदिर समिति को 3.63 लाख रुपए की आय हुई। मंगल ग्रह की जन्मस्थली माने जाने वाले मंगलनाथ मंदिर में प्रदेश ही नहीं बल्कि देश-विदेश से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। सुबह 7 बजे आरती के बाद से दोपहर तक भात पूजन, मंगल दोष निवारण, शीघ्र विवाह, भूमि एवं धन प्राप्ति तथा रोग निवारण जैसे विशेष अनुष्ठानों के लिए यजमानों का लगातार आगमन बना रहा। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर कर्मचारियों ने कतारबद्ध व्यवस्था संभाली।पंडितों द्वारा निर्धारित समयावधि में वैदिक विधि-विधान से पूजन कराया गया।

महिला मंडल ने बढ़ाया सेवा का हाथ- दिव्यांग, असहाय और बुजुर्ग श्रद्धालुओं को दर्शन में सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री माहेश्वरी मेवाड़ा पंचायत महिला मंडल ने मंदिर समिति को दो व्हीलचेयर भेंट कीं। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष संध्या हेड़ा, सचिव वंदना जैथलिया, मनोरमा दिनेश माहेश्वरी सहित समाज की कई महिला सदस्य उपस्थित रहीं। मंदिर प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे देशभर से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इंदौर रोड पर कार टकराने के विवाद में युवक से मारपीट

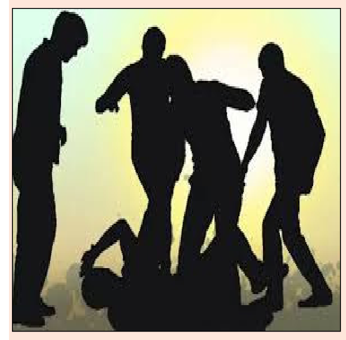

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगे चल रही कार के ब्रेक लगाने पर पीछे आ रही कार टकरा गई। इसी बात पर आगे कार में सवार चार युवकों ने पीछे आ रही कार के चालक को बुरी तरह पीट दिया। घायल चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चरक अस्पताल में भर्ती मिल्कीपुरा के रहने वाले शाहनवाज पिता शेख इलियास 32 वर्ष ने बताया कि वह शाम को कार से इंदौर जा रहा था। पंथ पिपलाई के पास आगे चल रही कार ने अचानक ब्रेक लगा दिया। जिसके चलते उसकी कार पीछे से टकरा गई रफ्तार कम होने से ज्यादा बड़ा घटनाक्रम नहीं हुआ बावजूद इसके आगे कार में सवार चार युवक नीचे उतरे और उसके साथ लात घुसो से मारपीट शुरू कर दी। लोगों ने बीच बचाव किया लेकिन उसे काफी चोट लग चुकी थी। उसे एंबुलेंस की मदद से चरक अस्पताल लाया गया। विदित हो कि इंदौर रोड पर ब्रिज निर्माण के साथ सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है इस मार्ग पर पिछले कई महीनो से आवागमन बाधित बना हुआ है आए दिन दुर्घटना भी होना सामने आ रही है जिसमें कुछ लोगों की जान तक जा चुकी है। वाहन रेंगते हुए चल रहे हैं जिसके चलते मामूली दुर्घटनाएं सुबह से लेकर शाम तक लगातार सामने आ रही है जो अब विवाद की वजह भी बन रही है।

गोधरा से हिरासत में आया नौकरी के नाम पर ठगी करने वाला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस विभाग के डीजीपी का रिश्तेदार बताकर नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला गुजरात के गोधरा से पुलिस की हिरासत में आया गया। जिसे पूछताछ के लिये 2 दिनों की रिमांड पर लिया गया है। आरोपी की राजस्थान में भी ठगी को अंजाम दे चुका है।

चिंतामण थाना क्षेत्र के ग्राम तलोद में रहने वाले फतेहसिंह पिता भैरूसिंह ने पिछ्ले माह महिदपुर थाना पुलिस को शिकायती आवेदन दिया था कि बालूसिंह पिता भेरूसिंह चौहान निवासी झारखेड़ी द्वारा वन विभाग में नौकरी दिलाने के नाम उसके और गांव के अन्य युवकों के साथ 25 लाख से अधिक की धोखाधड़ी की गई है। बालूसिंह खुद को डीजीपी का रिश्तेदार बता रहा था। महिदपुर पुलिस ने आवेदन की जांच शुरू पूरी कर 15 मई को धारा 420, 120 बी, 294, 506 का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की थी। सायबर टीम के एसआई प्रतिक यादव से बालूसिंह की लोकेशन गुजरात के गोधरा में मिलने पर थाना प्रभारी नरेन्द्रसिंह परिहार ने एसआई अन्नपूर्णा, एएसआई विरेन्द्रप्रतापसिंह, प्रधान आरक्षक जितेन्द्रसिंह, आरक्षक राघवसिंह, मोहरसिंह और डॉ. नारायण की टीम को रवाना किया गया। जहां दबिश देकर बालूसिंह को हिरासत में लिया गया और महिदपुर लाया गया। जिसे न्यायालय में पेश कर 2 दिनों की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान ठगी में उसके दो साथी जितेन्द्र पिता सत्यनारायण बैरागी निवासी अम्बेडकर कॉलोनी उज्जैन और लखन पिता सौदानसिंह, निवासी देवास नाका विजय नगर इंदौर के नाम सामने आये। जिनकी गिरफ्तारी के लिये टीम रवाना की गई है।

कुवैत एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले में उज्जैन के व्यक्ति की मौत

30 साल से कुवैत में टेलरिंग का काम कर रहे थे मंजूर अहमद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खाड़ी देशों में जारी तनाव के बीच उज्जैन के एक परिवार पर ऐसा दुख टूटा है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। शहर की राजरायल कॉलोनी निवासी मंजूर अहमद उर्फ शेरू भाई (50) की कुवैत अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हुए ड्रोन हमले में मौत हो गई। वे भारत लौटने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे और कुछ ही घंटों बाद दिल्ली होते हुए उज्जैन आने वाले थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।

घटना की खबर जैसे ही उज्जैन पहुंची, परिवार में मातम छा गया। पत्नी, बेटे और रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल है।

परिजनों के अनुसार मंजूर अहमद पिछले लगभग तीन दशक से कुवैत आते-जाते रहे थे। वहां वे टेलरिंग का काम कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी पत्नी और बच्चे उज्जैन में ही रहते हैं। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी मंजूर के कंधों पर थी। बताया गया कि मंगलवार को ही उन्होंने अपने परिजनों से फोन पर बात की थी और घर लौटने की खुशी जाहिर की थी। परिवार उनके स्वागत की तैयारियां कर रहा था, लेकिन अगले ही दिन मौत की खबर पहुंच गई।

सुबह फ्लाइट पकड़ने पहुंचे, हमला हो गया- स्वजन ने बताया कि बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे उनकी भारत के लिए फ्लाइट थी। मंजूर एयरपोर्ट पहुंच चुके थे और दिल्ली के रास्ते उज्जैन लौटने वाले थे। इसी दौरान एयरपोर्ट परिसर पर ड्रोन हमला हुआ। हमले की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद कुवैत में मौजूद रिश्तेदार और परिचित शव को भारत भेजने की प्रक्रिया में जुटे हुए हैं।

पीछे छूट गया भरा-पूरा परिवार- मंजूर अपने पीछे पत्नी, एक बेटे और दो बेटियों का परिवार छोड़ गए हैं। दोनों बेटियों का विवाह हो चुका है। परिवार को अब भी यकीन नहीं हो रहा कि जिनसे कुछ घंटे पहले बात हुई थी, वे अब इस दुनिया में नहीं हैं।

सरकार से लगाई मदद की गुहार- परिजनों ने मध्यप्रदेश सरकार और प्रशासन से शव को जल्द उज्जैन लाने में सहायता की मांग की है। प्रशासनिक स्तर पर भी प्रयास शुरू हो गए हैं। जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम तक मंजूर का पार्थिव शरीर उज्जैन पहुंच सकता है।

खाड़ी तनाव की चपेट में आया उज्जैन का परिवार- गौरतलब है कि खाड़ी क्षेत्र में लंबे समय से तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। युद्धविराम की चर्चाओं के बावजूद समय-समय पर ड्रोन और मिसाइल हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी अस्थिर माहौल के बीच हुआ यह हमला उज्जैन के मंजूर अहमद के लिए जानलेवा साबित हुआ। एक ओर परिवार उनके घर लौटने का इंतजार कर रहा था, दूसरी ओर एयरपोर्ट पर हुए हमले ने सारी खुशियां छीन लीं। शहर के लोगों का कहना है कि रोजी-रोटी की तलाश में विदेश गए शेरू भाई का इस तरह दुनिया से विदा हो जाना बेहद दुखद और हृदयविदारक है।

ट्रैक्टर चलाने से मना किया तो परिवार से मारपीट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। युवक ने ट्रैक्टर चलाने से मना किया तो ट्रैक्टर मालिक ने घर पहुंच कर पूरे परिवार के साथ मारपीट की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। इंगोरिया के ग्राम चिकली कढ़ाई में रहने वाली निशा पति बाबूलाल 40 साल उसके पुत्र दीपक और पति को उपचार के लिए चरक अस्पताल लाया गया। जहां निशाने बताया कि उसका बेटा ट्रैक्टर चलाता है। कुछ दिनों पहले गांव के ही रहने वाले गोपाल पिता प्रेम सिंह जिसके पास चार ट्रैक्टर हैं उसने दीपक से ट्रैक्टर चलाने के लिए कहा था। दीपक ने ड्राइवरी करने से मना कर दिया था। बीती देर शाम गोपाल शराब के नशे में घर आया और दीपक से उसके ट्रैक्टर चलाने की जिद करने लगा पुत्र ने मना किया तो मारपीट शुरू कर दी बीच बचाओ करने पति के साथ पहुंची तो उनके साथ भी मारपीट की गई गोपाल परिवार को जान से मारने की धमकी देकर गया है।

ट्रेन से टकराकर 2 साल के मासूम की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे पटरी के किनारे खेल रहा 2 साल का मासूम ट्रेन से टकरा गया घायल हालत में अस्पताल लाने पर डॉक्टरों ने उसे भर्ती किया लेकिन 2 घंटे बाद उसकी मौत हो गई। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि मक्सी रोड उद्योगपुरी में प्रयागराज का परिवार प्लास्टिक का दाना बनाने वाली फैक्ट्री में काम करता है। गुरुवार सुबह 8 के लगभग परिवार का 2 वर्षीय बालक सूरत पिता सुखलेश पटेल फैक्ट्री के पास से गुजर रही रेलवे पटरी के पास खेल रहा था इस दौरान ट्रेन आने पर टकरा गया सर और चेहरे में गंभीर चोट लगने पर उसे आसपास के लोग अस्पताल लेकर पहुंचे। बालक के परिजन भी तत्काल अस्पताल पहुंच गए थे हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने एनआईसीयू में भर्ती किया। लेकिन 2 घंटे बाद बालक की मौत हो गई। फैक्ट्री मालिक की मदद से बालक का अंतिम संस्कार उज्जैन में ही कराया जाना बताया जा रहा है।

क्षिप्रा एक्सप्रेस में सवार राजस्थान के अधेड़ के पास मिली हेरोइन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षिप्रा एक्सप्रेस में सवार एक व्यक्ति के पास मादक पदार्थ हेरोइन होने की खबर पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरों के अधिकारियों की टीम उज्जैन रेलवे स्टेशन पहुंची और ट्रेन में सर्चिंग के बाद उक्त व्यक्ति को हिरासत में लिया। जिसके पास से बेग में रखे 2 पैकेट बरामद हो गये।

बताया जा रहा है कि रात में केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरों ईकाई मध्यप्रदेश के नीमच-इंदौर और उज्जैन के अधिकारियों की एक टीम उज्जैन रेलवे स्टेशन पहुंची थी। उन्हे सूचना मिली थी कि क्षिप्रा एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच से एक व्यक्ति मादक पदार्थ हेरोइन लेकर हावड़ा पश्चिम बंगाल जा रहा है। ट्रेन के उज्जैन पहुंचने पर जनरल कोच में सर्चिंग की गई। संदेह के आधार पर हैंड बैग के साथ उक्त व्यक्ति को हिरासत में लिया गया और प्लेटफार्म नम्बर 1 आरपीएफ थाने लाया गया। बैग की तलाशी लेने पर उसमें रखे से 2 पैकेट मिले। जो 1 किलो 67 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन के थे। पूछताछ में उक्त व्यक्ति नाम रमेशचंद्र पिता भुआन 54 साल निवासी प्रतापगढ़ राजस्थान सामने आया। उक्त व्यक्ति के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट अधिनियम 1985 में उसकी गिरफ्तारी ली गई, जिसे पूछताछ के लिये नीमच ले जाया गया है। जानकारी सामने आई है कि उक्त आरोपित राजस्थान प्रतापगढ़ क्षेत्र से इंदौर-उज्जैन मार्ग के माध्यम से पश्चिम बंगाल जा रहा था।

दो युवकों के पास मिली एमडी ड्रग्स- मादक पदार्थ के अवैध कारोबार और तस्करों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान में गुरुवार को तराना थाना पुलिस द्वारा दो युवकों को पकड़ा गया जिनके पास से 11 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई। थाना प्रभारी राम नारायण सिंह भदोरिया ने बताया कि सूचना मिलने पर सदिखेड़ी रोड से मोहम्मद सलीम उर्फ सल्लू पिता मोहम्मद रफीक निवासी काजी चौक तराना और अली हुसैन पिता अब्दुल निवासी जानसापूरा को पकड़ा गया जिनके पास से 11 ग्राम ड्रग्स बरामद हुई है दोनों को पूछताछ के लिए न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

भर्तृहरि गुफा मार्ग पर पलटी श्रद्धालुओं से भरी टवेरा, चीख-पुकार के बीच 9 घायल

आंध्र प्रदेश से दर्शन करने आए थे यात्री- वाहन में फंसे लोगों को महंत और स्थानीय लोगों ने निकाला बाहर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।धार्मिक नगरी उज्जैन में गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया। ऋणमुक्तेश्वर मंदिर से भर्तृहरि गुफा की ओर जा रही आंध्र प्रदेश के श्रद्धालुओं से भरी टवेरा गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और वाहन में सवार कई यात्री अंदर ही फंस गए। दुर्घटना में कुल 9 श्रद्धालु घायल हुए हैं, जिनमें महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना अचानक हुआ कि वाहन में बैठे श्रद्धालुओं को संभलने का मौका तक नहीं मिला। गाड़ी सड़क किनारे पलटते ही यात्रियों की चीखें सुनकर आसपास मौजूद लोग दौड़ पड़े। कुछ श्रद्धालु वाहन के नीचे दब गए थे, जिन्हें काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

घटना की सूचना मिलते ही ऋणमुक्तेश्वर मंदिर के महंत महावीरनाथ महाराज अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। वाहन में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता दी गई और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। जानकारी के अनुसार जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां इन दिनों विकास कार्यों के तहत घाट निर्माण का काम चल रहा है। सड़क के एक ओर निर्माणाधीन घाट और दूसरी ओर दीवार होने के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ते ही वह सीधे घाट की ओर पलट गया। हादसे के बाद कुछ देर तक मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

सूचना मिलने पर एम्बुलेंस और पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

नशे में था चालक? पुलिस कर रही जांच- हादसे के बाद चालक की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि वाहन चालक नशे की हालत में हो सकता है। हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की हर पहलू से जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

दर्शन यात्रा बदली हादसे में- आंध्र प्रदेश से आए श्रद्धालु उज्जैन के धार्मिक स्थलों के दर्शन करने पहुंचे थे। ऋणमुक्तेश्वर मंदिर से भर्तृहरि गुफा जाते समय उनकी यात्रा अचानक हादसे में बदल गई। राहत की बात यह रही कि समय रहते स्थानीय लोगों, मंदिर प्रबंधन और प्रशासन ने सक्रियता दिखाई, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

फिलहाल पुलिस दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है, वहीं घायल श्रद्धालुओं का अस्पताल में उपचार जारी है।

औद्योगिक इकाईयों और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा वृक्षारोपण किया गया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उज्जैन के तत्वावधान में निम्न औद्योगिक इकाइयों के साथ संयुक्त रूप से 04 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण संवर्धन के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत उद्योगपुरी, उज्जैन स्थित श्रीनिवास फार्माकेम में 20 पौधों, श्री मेडिकल डिवाइस में 50 पौधों एवम मक्सी रोड स्थित श्रीजी पॉलिमर इंडिया लिमिटेड में 50 पौधों का रोपण किया गया। इस प्रकार कुल 120 पौधों का रोपण किया गया। वृक्षा रोपण के दौरान जियो टैग युक्त फोटोग्राफ भी लिए गए साथ ही उक्त औद्योगिक इकाइयों द्वारा वर्षा ऋतु के दौरान अतिरिक्त 500 पौधों का वृक्षारोपण किया जाना सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी श्री दीपक काले एवं उपरोक्त औद्योगिक इकाइयों के प्रबंध निदेशक श्री आनंद बांगर भी उपस्थित रहे एवं क्षेत्रीय कार्यालय से मुख्य रसायनज्ञ श्री आर.आर. भवर, वैज्ञानिक श्री एच.एस. शर्मा, जिला उद्योग केंद्र से श्रीमती श्रद्धा गोखले (प्रबंधक) एवं श्री कपिल (प्रबंधक) उपस्थित रहे। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की कंसल्टेंट सुश्री वर्षा जोशी तथा मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अन्य अधिकारीगण एवं संबंधित औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

उज्जैन के होटलों में दिल्ली जैसे हादसों की आशंका

महाकाल क्षेत्र की संकरी गलियों में चल रहे गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट सबसे ज्यादा जोखिम में-अधिकांश ने नहीं ली फायर एनओसी, सर्वे शुरू करने का दावा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिल्ली के एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की दर्दनाक मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस हादसे के बाद उज्जैन के होटल, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंटों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। धार्मिक नगरी में सैकड़ों होटल-गेस्ट हाउस और 400 से अधिक रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनमें से बड़ी संख्या ऐसे प्रतिष्ठानों की है जहां आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते व्यवस्थाएं नहीं सुधरीं तो शहर में भी कभी बड़ा हादसा हो सकता है।

उज्जैन में सबसे चिंताजनक स्थिति महाकाल मंदिर क्षेत्र की है, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। महाकाल मंदिर के पीछे 24 खंभा मंदिर घाटी, कहारवाड़ी, कसेरा बाखल, महाकाल घाटी और आसपास के क्षेत्रों में संकरी गलियों के बीच बड़ी संख्या में गेस्ट हाउस और लॉज संचालित हो रहे हैं। कई जगहों पर मकानों को ही व्यावसायिक रूप देकर होटल बना दिया गया है। ऐसे इलाकों में यदि आग लग जाए तो दमकल वाहनों के पहुंचने में ही लंबा समय लग सकता है।

कानून की कमजोरी से बढ़ रहा खतरा- प्रदेश में अब तक स्वतंत्र और सख्त फायर एक्ट लागू नहीं होने का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। 50 बेड से कम क्षमता वाले होटलों को फायर एनओसी लेने की अनिवार्यता नहीं है। इसी खामी का फायदा उठाकर कई छोटे होटल और गेस्ट हाउस संचालक सुरक्षा नियमों को नजरअंदाज कर कारोबार कर रहे हैं।

नगर निगम और फायर विभाग के अधिकारियों के पास भी सीमित अधिकार हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर न तो भारी जुर्माना लगाया जा सकता है और न ही कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। अधिकतर मामलों में नोटिस देकर औपचारिकता पूरी कर ली जाती है, जिससे नियम तोड़ने वालों के हौसले बुलंद हैं।

बेसमेंट में रेस्टोरेंट, सड़क पर भट्टियां- महाकाल मंदिर क्षेत्र सहित शहर के कई हिस्सों में ऐसे रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं जो बेसमेंट में चल रहे हैं या सड़क किनारे भट्टियां लगाकर खाना बना रहे हैं। इन स्थानों पर कमर्शियल गैस सिलेंडर, भारी विद्युत लोड और बड़ी संख्या में ग्राहकों की मौजूदगी हमेशा खतरे को बढ़ाती है। विशेषज्ञों के अनुसार बेसमेंट का उपयोग केवल पार्किंग या स्टोरेज के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन कई स्थानों पर इसे व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। आग लगने की स्थिति में धुआं और गर्मी बेसमेंट में फंसने से जनहानि का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

दिखावे के लिए लगे अग्निशामक यंत्र- कई होटल और रेस्टोरेंट में अग्निशामक यंत्र तो लगे हुए हैं, लेकिन कर्मचारियों को इनके उपयोग का प्रशिक्षण नहीं है। इमरजेंसी एग्जिट, स्मोक डिटेक्टर और स्प्रिंकलर जैसी सुविधाएं भी अधिकांश स्थानों पर या तो नहीं हैं या पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में किसी भी आपात स्थिति में अफरा-तफरी मच सकती है।

किनके लिए जरूरी है फायर एनओसी- नियमों के अनुसार 15 मीटर से अधिक ऊंची इमारतों, 500 वर्गमीटर से बड़े भूखंड पर बने होटलों तथा 50 से अधिक कमरों वाले होटल और अस्पतालों के लिए फायर एनओसी अनिवार्य है। इन संस्थानों में स्प्रिंकलर सिस्टम, स्मोक डिटेक्टर, इमरजेंसी एग्जिट और अन्य सुरक्षा संसाधन होना जरूरी है। वहीं छोटे होटल, लॉज और गेस्ट हाउसों को अधिकृत सेफ्टी इंजीनियर की रिपोर्ट के आधार पर सुरक्षा मानकों का पालन करना होता है। इसके बावजूद कई जगहों पर नियमों की अनदेखी की जा रही है।

अब जागा प्रशासन, शुरू हुआ सर्वे- दिल्ली हादसे के बाद नगर निगम और फायर विभाग सक्रिय हुआ है। फायर ब्रिगेड अधिकारी एल.पी. साहू के अनुसार शहर के सभी छोटे-बड़े होटलों का सर्वे शुरू कर दिया गया है। सर्वे के दौरान फायर सेफ्टी उपकरणों और सुरक्षा इंतजामों की जांच की जाएगी।

उन्होंने बताया कि संकरी गलियों में आग बुझाने के लिए निगम के पास छोटे फायर फाइटर वाहन उपलब्ध हैं, जिन्हें बड़े टैंकरों से जोड़कर आग पर काबू पाया जा सकता है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि केवल वाहनों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है, जब तक होटल संचालक स्वयं सुरक्षा नियमों का गंभीरता से पालन नहीं करेंगे।

सवाल यही... हादसा होने से पहले क्या सुधरेंगी व्यवस्थाएं- दिल्ली की त्रासदी ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि आग लगने के बाद कार्रवाई करने से बेहतर है पहले से तैयारी करना। उज्जैन जैसे धार्मिक और पर्यटन शहर में जहां हर दिन हजारों श्रद्धालु और पर्यटक ठहरते हैं, वहां होटल और रेस्टोरेंटों की फायर सेफ्टी अब सिर्फ नियमों का विषय नहीं, बल्कि लोगों की जिंदगी से जुड़ा बड़ा सवाल बन चुकी है। यदि प्रशासन और संचालक समय रहते नहीं चेते तो एक चिंगारी कभी भी बड़े हादसे में बदल सकती है।

हिंदू युवती के साथ होटल में मिला छत्तीसगढ़ का मुस्लिम युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदू युवती के साथ होटल ठहरे मुस्लिम युवक की जानकारी सामने आने के बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ता पहुंचे और युवक को पकड़कर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस युवक और युवती को थाने लेकर पहुंची, जहां पूछताछ की जा रही है मामले में होटल संचालक के खिलाफ भी कार्यवाही हो सकती है।

खाराकुआं थाना क्षेत्र में होटल श्री गोपाल में 2 दिन से एक युवक के रुके होने की जानकारी हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को मिली थी, युवक मुस्लिम था और उसके साथ हिंदू युवती होना सामने आया था। संगठन के कार्यकर्ताओं ने होटल पहुंचकर पूछताछ की तो सामने आया कि होटल में ठहरे युवक-युवती की एंट्री होटल संचालक द्वारा नहीं की गई है। बिना आईडी और पूछताछ के उन्हें रूम उपलब्ध कराया गया है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई पुलिस ने मौके पर पहुंचे होटल के कमरे का दरवाजा खुलवाया। युवक युवती को बाहर बुलाने के बाद पूछता शुरू की गई तो युवक मुस्लिम होना सामने आया जिसका नाम मोहम्मद अनीस (निवासी- रायगढ़, छत्तीसगढ़) था। युवती भी छत्तीसगढ़ की रहने वाली थी लेकिन वह हिंदू संप्रदाय की थी मामला लव जिहाद से जुड़ा होने पर हिंदू संगठन द्वारा कार्रवाई की मांग की गई पुलिस दोनों को अपने साथ थाने लेकर आई है जहां पूछताछ शुरू कर उनके परिजनों को सूचना दी गई है। दोनों एक दूसरे को दोस्त होना बता रहे हैं। थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह के अनुसार फिलहाल पूछताछ जारी है मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी वहीं होटल के संबंध में भी जानकारी जुटा जा रही है जिसके खिलाफ बिना दस्तावेज के बाहरी व्यक्तियों को रूम उपलब्ध कराने का प्रकरण दर्ज किया जा सकता है। शहर में लंबे समय से बाहर से आने वाले मुस्लिम युवको द्वारा हिंदू युवतियो के साथ होटल में रुकने के मामले सामने आ रहे हैं। पूर्व में ही हिंदू संगठनों की सूचना पर पुलिस ने कई ऐसे युवकों को पकड़ा भी है। होटल वाले चंद रूपयो के लिए शासन प्रशासन के आदेशों का उल्लंघन कर रहे हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने एपीसी की बैठक के पूर्व तैयारी के अंतर्गत एजेंडानुसार विभागवार समीक्षा की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने गुरुवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में शनिवार 6 जून को आयोजित होने वाली कृषि उत्पादन आयुक्त (एपीसी) की संभागीय बैठक की पूर्व तैयारी के अंतर्गत एजेंडानुसार विभिन्न विभागों की समीक्षा की। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, एडीएम श्री अत्येंद्र सिंह गुर्जर एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में उप संचालक कृषि ने प्रमुख खरीफ फसल के क्षेत्र के अनुसार जिले में उत्पादन के बारे में जानकारी दी। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि विगत वर्षों में सोयाबीन के रकबे में कितनी प्रगति हुई है, इसका उल्लेख किया जाए। समितियों द्वारा खाद विक्रय में बढ़ोतरी की जाए इसके अंतर्गत इनका पूर्व में प्रशिक्षण आयोजित किया जाए। बताया गया कि वर्तमान में जिले में खाद की कोई कमी नही है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जहां खाद का उठाव कम हो रहा है वहां बढ़वाया जाए और शीघ्र अतिशीघ्र खाद वितरण सुनिश्चित किया जाए। बीज से संबंधित किसी भी प्रकार की कोई शिकायत न प्राप्त हो।